ČHIKITSAK G.K.V.

अंक ११

मासिक

चिकित्सक

देहली

नवम्बर १९८०

[illegible] — नई दिल्ली या पुरानी देहली स्टेशन से तांगा या किसी वाहन पर कुतब रोड आकर राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के पास ईदगाह रोड के मोड़ पर जयपुर गोल्डन ट्रान्सपोर्ट कम्पनी के पास हमारा कार्यालय है।

फोन नं०: [illegible]

पत्र व्यवहार और मनीआर्डर भेजने का पता—

मेडिकल [illegible]

३६५६ कुतब रोड, देहली-६

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक सत्यपाल मेहता, ३६५६ कुतब रोड देहली ने तिलक प्रिंटिंग प्रेस देहली में छपवाया।

डा० हरनारायण कोकचा की अनमोल पुस्तकें

(१) **एलोपैथिक पेटेन्ट चिकित्सा**--(१) इस पुस्तक में प्रत्येक रोग का परिचय, रोग के कारण, रोग के प्रमुख लक्षण, रोग की पहचान और रोग का परिणाम आदि चार्टों के रूप में देकर, रोगों में दी जा सकने वाली टेब्लेट, कैपसूल, पेटेन्ट ड्राप्स तथा इन्जेक्शन आदि चार्टों के रूप में दिए हैं।

(२) इस संस्करण में नई-नई सब प्रकार की पेटेन्ट औषधियों और इन्जेक्शनों को बढ़ा दिया गया है। इसमें दी हुई सभी पेटेन्ट दवायें बाजार से आसानी से मिल जाती हैं। (३) नये संस्करण में प्रत्येक रोग की 'सबसे सस्ती' और सबसे मंहगी दवा भी बताई गई है। इनकी सहायता से आप गरीब और अमीर सबका इलाज कर सकेंगे। (४) अब इसमें विश्वविख्यात डाक्टरों के कई सौ रोगों के चार हजार के लगभग अनमोल अनुभव भी बढ़ा दिये गये हैं। डाक्टरों के ये अमूल्य अनुभव अन्यत्र मिलने दुर्लभ हैं। (५) ढाई हजार के लगभग चार्टों-चित्रों वाली सजिल्द पुस्तक का मूल्य केवल १४.७५ है।

(२) **एलोपैथिक इन्जेक्शन चिकित्सा विश्वकोष**—आज तक के नये २ इन्जेक्शनों को चार्टों में नये ढंग से समझाया गया है। सैकड़ों रोगों का इन्जेक्शनों द्वारा शीघ्र इलाज चार्टों में दिया गया है। आप इन्जेक्शन लगाना या बनाना सीखना चाहते हैं तो इसके बहुमूल्य चित्रों की सहायता से आप घर बैठे इन्जेक्शन लगाना और बनाना सीख जायेंगे। नये संस्करण में कई सौ आयुर्वेदिक और यूनानी इन्जेक्शन भी लिखे गये हैं। तीन हजार के लगभग चित्रों-चार्टों से भरपूर अनमोल पुस्तक का मूल्य केवल १६.७५।

(३) **निदान नवनीत चार्टस**—कई सौ चित्रों-चार्टों से सजे हिन्दी के इस विशाल निदान विश्वकोष में नाड़ी परीक्षा, स्टैथस्कोप परीक्षा, मल परीक्षा, मूत्र परीक्षा, वक्ष परीक्षा, कफ परीक्षा, रक्त परीक्षा, वीर्य परीक्षा, रज परीक्षा, मातृ दुग्ध परीक्षा, आयुर्वेदिक निदान नवनीत, अरिष्ट

मेडिकल हाउस ३६५६ कुतब रोड, देहली-६

दस रुपये की पुस्तकें, एक वर्ष तक मासिक

"चिकित्सक", एम० आई० एम० एस० का रंगीन प्रमाण-पत्र मुफ्त प्राप्त करें

पिछले २३ वर्षों से इन्टरनेशनल मेडिकल सोसायटी वैद्यों, डाक्टरों, पढ़े लिखों को योग्य डाक्टर, वैद्य बना चुकी है। हजारों शिक्षित अपने नगर के व्याख्यात डाक्टर, वैद्य बन चुके हैं।

उद्देश्य—वैद्यों, डाक्टरों, पढ़े लिखों को बड़े बड़े डाक्टरों, वैद्यों, हकीमों, साधुओं सन्यासियों, योगियों के आसान, अल्प मूल्य नुस्खे, होमियोपैथी, आयुर्वेद, एलोपैथी की हजारों रोगियों पर आजमाई दवायें बताना, लम्बी आयु प्राप्त करने, बुढ़ापे में जवान बने रहने के भेद बताना। डाक्टरी, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा की पुस्तकें प्रकाशित करके सस्ते मूल्य में बेचना, एक ही वर्ष में मेम्बर इतना योग्य हो जायेगा कि वह सरल दवाओं से पुराने रोग तक दूर कर सकेगा। हमारे हजारों मेम्बर डाक्टर, वैद्य बनकर हर महीने सैकड़ों रुपया कमा रहे हैं।

मुफ्त—हर मेम्बर को (१) M I M. S. की दो रंगा सर्टिफिकेट (२) १० रुपया की डाक्टरी व चिकित्सा सम्बन्धी पुस्तकें (३) एक वर्ष तक हर महीने चिकित्सक के साधारण तथा विशेषांक मुफ्त (४) हर मेम्बर के चिकित्सा सम्बन्धी १–२ प्रश्नों के उत्तर भी चिकित्सक में मुफ्त प्रकाशित किये जायेंगे। मेम्बरी का वार्षिक शुल्क केवल २५ रुपया है। परन्तु २५ दिसम्बर १९८० तक २० रुपया मनीआर्डर भेजकर मेम्बर बन जायें।

आर्डर—मैनेजर मासिक चिकित्सक मेडिकल हाउस ३६५६ कुतब रोड देहली

मैं आपको २५ रुपया की बजाये २० रुपया का मनीआर्डर भेज रहा हूं। मुझे ४९ से ६३ पृष्ठ में से मेरी पसन्द की १० रुपये की नीचे लिखी पुस्तकें और M I M S का रंगीन प्रमाण पत्र रजिस्ट्री भेज दें और एक वर्ष तक हर महीने मासिक चिकित्सक के तमाम विशेष व साधारण अंक भी मुफ्त भेजते रहें।

मेरा नाम तथा पता:—

सूचना—२० रुपये का मनीआर्डर भेज देने पर दस रुपये की पुस्तकें और प्रमाण-पत्र तुरन्त रजिस्ट्री भेज दिये जायेंगे। वी०पी० मंगवाने पर २२.५० रुपया खर्च होगा और रुपया वसूल होने के बाद ही प्रमाण-पत्र में आपका नम्बर लिखकर भेजा जायेगा। दस रुपये वार्षिक शुल्क भेजने वालों को प्रमाण-पत्र तथा पुस्तकें नहीं भेजी जायेंगी।

केवल डाक्टरों, वैद्यों और रजिस्टर्ड मेडिकल प्रैक्टिशनरों के लिये

१९५९ से नियमित प्रकाशित हो रहा है।

वर्ष २३ | अंक ११

एलोपैथी, होमियोपैथी, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा,
आध्यात्मिक विद्या सिखाने वाली पत्रिका

मासिक चिकित्सक देहली

नवम्बर १९८०

वार्षिक शुल्क : मनीआर्डर से भेजने पर दस रुपया, वी० पी० से मंगवाने पर १३.७५ रुपया देना पड़ेगा।

अल्प मूल्य हानिरहित दवायें

संसार की सबसे बड़ी स्वास्थ्य संस्था WHO वर्ल्ड हैल्थ आर्गनीजेशन जो तमाम संसार में रोगों को दूर करने, आयु बढ़ाने के लिये हर वर्ष करोड़ों रुपया खर्च कर रही ने हर देश के चिकित्सकों, डाक्टरों से अपील की है कि वह रोगों को दूर करने के लिये जड़ी बूटियों, खनिज और हानिरहित दवाओं से चिकित्सा करें। इस संस्था के आदेश अनुसार चिकित्सक में विभिन्न रोगों की कम कीमत, हानिरहित दवायें, प्राकृतिक विधियां और नुस्खे जो लाखों रोगियों पर आज़माये जा चुके हैं। प्रकाशित किये जा रहे हैं। आशा है कि देश के डाक्टर, वैद्य, हकीम और पढ़े लिखे इन दवाओं और विधियों से अधिक से अधिक लाभ उठायेंगे।

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक सत्यपाल मेहता, ३६५६, कुतब रोड, देहली ने विवक प्रिंटिंग प्रैस देहली में छपवाया।

विटामिनों की कमी से होने वाले रोगों की चिकित्सा

(१) **विटामिन ए (A)**—विटामिन ए की कमी हो जाने से मनुष्य को नीचे लिखे रोग, कष्ट और लक्षण पैदा हो जाते हैं।

(१) लंदन में छपी एक अंग्रेजी पुस्तक में यह घटना छपी। एक व्यक्ति रात को गलत ओर मोटरकार चला रहा था। पुलिस ने उसका चालान किया उसको शराबी समझा गया। परन्तु डाक्टर से उसकी परीक्षा कराने पर शराब का कोई प्रमाण न मिला। उसने बताया कि सामने की ओर से आने वाली कारों के तेज प्रकाश से उसको दिखाई नहीं देता है। उसका चर्म खुष्क था, उसके बाल गिर रहे थे। डाक्टर की राय थी कि उसको अंधेरे में कुछ दिखाई नहीं देता था। उसको विटामिन ए, हरी सब्जियां अधिक मात्रा में दी जाती रहीं जिससे उसको रात को भली प्रकार दिखाई देने लग गया।

(२) संसार के सबसे महान चिकित्सक जो आज से २५०० वर्ष पहले हुये और जिनको चिकित्सकों का पितामहा कहा जाता है। रात को अंधा हो जाने पर रोगी को पशुओं का जिगर मधु में मिलाकर खिलाते थे। भारत में विटामिन ए की कमी से ३० लाख से अधिक मनुष्यों की दृष्टि कमजोर हो चुकी है और इस कारण ४ लाख से भी अधिक अंधे हो चुके हैं। जिगर में विटामिन बहुत अधिक होता है।

(३) नवजात शिशुओं में विटामिन ए की बहुत कमी होती है। भारत के करोड़ों बच्चों की दृष्टि भी कमजोर है। उनको एक हजार से तीन हजार यूनिट विटामिन ए प्रतिदिन खिलाकर आंखों के रोगों से बचाया जा सकता है।

(४) शरीर में विटामिन ए न रहने पर स्त्रियों और मादा पशुओं को समय से पहले बच्चा पैदा हो जाता या मरा हुआ बच्चा पैदा होता है। स्त्री के शरीर में विटामिन ए कम हो जाने पर उसके पैदा होने वाले बच्चे कमजोर होते और गर्भ होने के समय स्त्री को विषैले प्रभाव हो सकते हैं।

(५) वयस्क मनुष्यों में इस विटामिन की कमी से उनका चर्म बिल्कुल खुष्क, चर्म पर पिन जैसे उभार हो जाते हैं। चर्म रोगों और आंखों की कमजोरी में कई डाक्टर एक लाख से दो लाख यूनिट तक प्रतिदिन विटामिन ए खिलाकर यह रोग दूर कर लेते हैं।

(६) विटामिन ए शिशुओं, बालकों, वयस्कों, वूढ़ों और रोगियों के पालन पोषण, सन्तान पैदा करने और स्त्री में दुध अधिक पैदा करने के लिये जरूरी है।

(७) इसकी कमी से आंखों की चमक जाती रहती और आंखों में झुर्रियां पड़ जाती हैं।

(८) विटामिन ए की कमी हो जाने पर जीभ और मुंह की श्लेष्मिक कला में रक्त कम हो जाने के कारण पीली हो जाती है। रोगी के मसूड़ों से पीप और रक्त (पायोरिया) भी आ सकता है।

(९) मनुष्य जो विटामिन ए वाले खाद्य महंगे होने के कारण नहीं खा सकते। वह दोनों समय भोजन खाने के बाद मच्छली के जिगर से बने कैपसूल खाकर या शार्क लिवर आयल ½ से एक चम्मच पी कर इस विटामिन की कमी को दूर कर सकते हैं।

(१०) विटामिन से चिकित्सा करने में प्रसिद्ध अमेरिकन डाक्टर शर्मन की राय है कि हर मनुष्य विटामिन ए के साथ ही विटामिन बी और सी भी प्रतिदिन खाद्यों के रूप में खाता रहे। ताकि उसके शरीर की तमाम कमजोरियां दूर होकर उसको शक्ति प्राप्त होती रहे।

(११) यदि आप जवानी व बुढ़ापे में ताकतवर बने रहना चाहते हैं और आपकी इच्छा है कि आपका चेहरा गुलाब के फूल की भांति गुलाबी बना रहे तो आप गाजरों, हरी सब्जियों, पपीता, पोदीना, पालक, धनिया, चौलाई या संगतरा का एक ग्लास रस दिन में एक या अधिक बार पीते रहें। इससे आपके शरीर में विटामिन ए और दूसरे विटामिन पहुंचने से नई शक्ति और जवानी पैदा हो जायेगी और आपके पुराने रोग दूर होने लग जायेंगे।

(१२) बकरी या भेड़ की कलेजी में विटामिन ए और शरीर के लिये

दूसरे विटामिन और आवश्यक खनिज अंश बहुत अधिक होते हैं। कलेजी को घोट कर इन रसों में मिलाकर या नर्म आग पर पका कर प्रतिदिन खायें।

(१३) शरीर में इस विटामिन की कमी हो जाने पर मनुष्य शरीर की लाखों सैलें प्रतिदिन नष्ट होने लग जाती है। नई सैलें नहीं बनने पातीं। कीटाणु आसानी से शरीर में पहुंचकर इन्फेक्शन फैला सकते और रोगी को न्यूमोनिया, क्षय, ब्रोन्काईटिस जैसे रोग हो सकते हैं। उसके आमाशय और अन्तड़ियों में सूजन, घाव हो जाते हैं।

(१४) इस विटामिन की कमी से बाल खुरदरे हो जाते, उनकी चमक नहीं रहती है।

(१५) बुढ़ापे में विटामिन ए वाले खाद्य खाते रहने से दृष्टि तेज हो जाती है। इससे भूख बढ़ जाती है। बड़ी आयु में फलों और सब्जियां के अतिरिक्त विटामिन ए का एक कैपसूल खाते रहने से मनुष्य अपने अन्दर नई शक्ति और जवानी प्रतीत करने लग जाता है।

आप प्रेपालिन Prepalin (निर्माता ग्लैक्सो) के कैपसूल या इन्जेक्शन रोग की अधिकता में दिन में ३—४ बार एक एक कैपसूल खिलायें। रोग कम हो जाने पर दो कैपसूल प्रतिदिन खिलाने काफी हैं।

(२) विटामिन बी कम्पलेक्स (Vitamin B Complex)

विटामिन बी[१] ने आयु बढ़ाने, स्वस्थ रहने और विभिन्न रोग दूर करने में विशेष महत्व प्राप्त कर लिया है। इसको थियामिन हाइड्रो क्लोराईड Thiamin hydrochloride या एन्यूरीन Anuerine भी कहते हैं।

यह विटामिन निशास्ता वाले भोजनों को पचाती, भूख बढ़ाती और भोजन को पचाने के लिए आवश्यक है। शरीर में इसकी कमी से भूख घट जाती, वजन कम होने लग जाता, दिल और मस्तिष्क में कमजोरी और दोष पैदा होने लग जाते हैं। मनुष्यों को जब इस विटामिन से वंचित रखा जाता है तो उसमें मस्तिष्क और स्नायु दुर्बलता, आंखों में अन्धेरा आ जाना, कमजोरी, कमर दर्द, पट्ठों में दर्द और ऐन्ठन, दिल अधिक धड़कना, सांस लेने में कष्ट, नींद न आना, मितली, कै, चर्म खुरदरी, दिल की कमजोरी, लो ब्लड

प्रेशर, सिर दर्द, पेट फूल जाना, हाथों की हथेलियों में जलन, बेरी बेरी, दिल फैल जाना, चर्म रोग, दस्त आना, जीभ पक जाना आदि लक्षण पैदा हो जाते हैं।

दूध पीते बच्चों में कै आना, पेट में दर्द के कारण रोना, दस्त आना, गर्दन अकड़ जाना, आक्षेप आदि कष्ट हो जाते हैं। इस विटामिन की कमी से पाचनांगों को भारी हानि पहुंचती है। यह विटामिन छिलके वाले अनाजों, दालों, तिल, यीस्ट, बादाम, अखरोट, मूंगफली, दूध, कलेजी, मच्छली, सब्जियां में पाई जाती है।

आप रोगी को कम्पलेक्स बी फोर्ट (ग्लैक्सो) विद बी१२ की टिकियां भोजन के बाद दिन में दो बार १-१ टिकिया खिलाकर उसके पाचनांगों के सब रोग दूर कर सकते हैं। इससे मनुष्य में ताकत चुस्ती पैदा होती, भूख बढ़ जाती, पेट में गैस, पेट फूल जाना, भोजन के बाद सिर दर्द, भोजन न पचने से रात को नींद न आना आदि कष्ट दूर हो जाते हैं।

अगले अंकों में दूसरे विटामिनों, फासफोरस, कैलसियम की कमी से पैदा होने वाले रोगों के लक्षण और उनको दूर करने की दवाओं पर लेख प्रकाशित होंगे। इन हानिरहित, कम कीमत दवाओं से आप अपने, अपने सम्बन्धियों और रोगियों के बड़े २ पुराने रोग दूर करने में सफल हो सकेंगे।

मुफ्त-इन्टरनेशनल मेडिकल सोसायटी का हर मेम्बर स्वास्थ्य, रोगों या चिकित्सा के सम्बन्ध में१-२ प्रश्नों के उत्तर मुफ्त पूछ सकता है। मेम्बर के प्रश्नों के उत्तर चिकित्सक में प्रकाशित होंगे। आप चिकित्सक में प्रकाशित लेखों, दवाओं को पढ़कर या अपने नगर के योग्य डाक्टर, वैद्य बन सकते और अपने और दूसरों के पुराने रोग दूर करने में सफल हो सकते हैं। पहला पृष्ठ पढ़कर आज ही मेम्बर बन जायें।

संसार का सबसे बड़ा बूढ़ा

पीकिंग (चीन) की पत्रिका न्यू फिजिकल कलचर के लेखक अनुसार चीन के उत्तर पश्चिम के एक ग्राम में नूयूनडिन नामक एक व्यक्ति रहता है जो संसार का सबसे बूढ़ा मनुष्य है। १४२ वर्ष की आयु हो जाने पर भी वह साईकिल चलाता है। उस पत्रिका के प्रतिनिधि को उसने बताया कि

उसने अपने जीवन में तीन बार अपने मृत्यु के समय के लिये कफन के सन्दूक बनवाये कि जिसमें डालकर उसको ज़मीन में दबाया जा सके। परन्तु दो संदूक तो वर्षों पड़े रहने से सड़ गये और उनको दीमक चाट गई। तीसरे सन्दूक को तोड़कर मैंने कमरे में फिटिंग के रूप में बर्त लिया। वह एक बौद्ध भिक्षू है। वह पानी से भरी दो बाल्टियां उठाकर पहाड़ी के ऊपर अपने घर में अब भी ले जा सकता है। उसका कहना है कि वह १३ दिसम्बर सन् १८३८ में पैदा हुआ। अगली पत्रिका में संसार के एक एक सौ वर्ष के बूढ़े लम्बी आयु प्राप्त करने के लिये जो जो खुराकें, दवायें खाते और विधियां अपनाते है, पर विस्तारपूर्वक लेख लिखा जायेगा। वह दवायें व खुराकें लिखी जायेंगी जिनसे आप लम्बी आयु प्राप्त कर सकते हैं।

मनुष्य का मस्तिष्क—एक वयस्क मर्द के दिमाग का वज़न १४०६ ग्राम (४६.५ औंस) और स्त्री के दिमाग का वज़न १२३६ ग्राम (४४.५) औंस होता है।

दुबलापन, वज़न कम होने का इलाज

कई रोगों और दोषों, ताकतवर भोजन न मिलने से मनुष्य का वज़न नार्मल से कम हो जाता है। विटामिन मिनरल व प्रोटीन वाले भोजन न मिलने से भी शरीर की पूर्ति नहीं होती। मनुष्य का वज़न नार्मल से कम होता है। मर्दाना शक्ति, वीर्य अधिक नाश कर लेने, सम्भोग की अधिकता से भी वजन कम हो जाता है।

(१) असगन्ध, शतावरी, गोखरू, बिदारी कन्द, कौंच बीज हर दवा को कूट पीसकर बराबर २ मिलाकर इसमें मिठास के लिये मिस्री मिलाकर ३ से ६ माशा दूध के साथ दिन में २-३ बार खिलाते रहने से मनुष्य का वज़न, ताकत बढ़ने लग जाती है। इससे वीर्य पैदा होता और मर्दाना हार-मोन पैदा होने से खाया पिया हज्म हो जाता और वज़न बढ़ने लग जाता है।

(२) स्वर्ण बसन्त मालती रस एक गोली द्राक्षासव, अश्वगन्धारिष्ट या दशमूलारिष्ट २ से ४ छोटे चम्मच में थोड़ा पानी मिलाकर भोजन के १-२ घन्टे बाद खिलाते रहें।

(३) इसके साथ ही दुबले पतले मनुष्य और सूखा मसान में ग्रस्त बच्चों के शरीर पर अश्वगन्धादि तेल की मालिश भी करते रहे।

रोगी को अखरोट, बादाम, पिस्ता मक्खन में रगड़कर खिलाते रहने से भी वह मोटे हो जाते हैं। किसी पुराने रोग से वजन कम हो जाने पर शरीर में उस रोग व खराबी को दूर करके वजन बढ़ाने वाली दवायें खिलायें।

मधु से आयु बढ़ायें, पचासों रोग दूर करें

शहद (मधु) हजारों वर्षों से भोजन और दवा के रूप में प्रयोग की जा रही है। रूस के बड़े बड़े डाक्टर और वैज्ञानिक आयु बढ़ाने, रोग दूर करने पर वर्षों तक रिसर्च करने और ११० से १५० वर्ष की आयु के २०० रूसी मनुष्यों से उनकी लम्बी आयु प्राप्त करने के भेद पूछने के बाद इन परिणामों पर पहुंचे हैं कि यह सब लोग मधु मक्खी पालने वाले और प्रतिदिन काफी मात्रा में मधु खाने वाले हैं। आज से २००० वर्ष के रोमन लोग का कहना था कि मनुष्य शरीर पर तिलों, जैतून आदि के तेल की मालिश करने और मधु प्रतिदिन खाते रहने से मनुष्य की आयु बढ़ जाती है।

संसार का प्रसिद्ध प्राचीन चिकित्सक Hippocrates (हकीम बुकरात) जिसने आज से २४०० वर्ष पूर्व सबसे पहला मेडिकल कालेज खोला और जिसको संसार के आजकल के डाक्टर भी "फादर आफ मेडिसिन" कहते हैं जो १०१ वर्ष तक जीवित रहा। अपने रोगियों को मधु पीने को कहा करता था। डेमोक्रीटस Democritus (२४०० वर्ष पूर्व) युनान का प्रसिद्ध वैज्ञानिक व फिलास्फर था। वह १०९ वर्ष की आयु में मरा का मत था कि मधु को गर्म पानी में मिलाकर बार २ पीने से मनुष्य लम्बी आयु तक जी सकता है। पाईथागोरास Pythagoras २५८२ वर्ष पूर्व युनान का बहुत बडा योगी, ऋषि, फिलास्फर और मेथीमेटीशन था। वह मांस या अन्डे नहीं खाता था केवल फल सब्जियां ही खाता था। बुढ़ापे में केवल दूध और मधु के सिवाय कुछ नहीं खाता था।

रोम और युनान में प्राचीन काल में मधु से बीयर जैसी शराब बनाई जाती थी। हर नौजवान की शादी होने पर वह यह शराब प्रतिदिन पीता था जिससे सम्भोग करने की शक्ति उनमें बहुत बढ़ जाती। इसी कारण ही तब

से शादी के दिनों को हनीमून (Honeymoon) कहा जाता है। मधुमक्खी फूलों के पोलन(पराग)से रस चूसकर उससे मधु बनाती है। फूलों के पोलन में विटामिन सी, ए, ई और दूसरे कई प्रकार के ऐसे मिनरल बहुत होते हैं। जो रोगों को दूर करने और आयु बढ़ाने के लिये बहुत ही जरूरी हैं। मधु में पोटासियम, मेंगनीज, फासफोरस, कैलसियम, लोहा, ताम्बा, गन्धक और दूसरे मिनरल अधिक मात्रा में पाये जाते हैं। यह मिनरल मनुष्य को स्वस्थ बनाने, लम्बी आयु प्राप्त करने के लिये जरूरी हैं। दिल फेल होने, दिल की कमजोरी को दूर करने के लिये मधु बहुत शक्तिशाली दवा है। २-४ चम्मच खाते ही मधु सीधी रक्त में मिलकर तुरन्त हृदय में पहुँच जाती व रोगी ताकत प्रतीत करने लग जाता है। इसको भोजन की भांति आमाशय और अन्तड़ियों में जाना नहीं पड़ता। जिन रोगियों को भोजन नहीं पच सकता तथा पुराने रोगियों को एक चम्मच मधु में ५ बूंद लवेन्डर आयल मिलाकर देते रहने से उनको ताकत आ जाती, उनकी भूख बढ़ जाती है। लम्बा उपवास रखने के बाद उपास खोलने पर सबसे पहले मधु ही दी जाती है। बच्चा पैदा होने पर सबसे पहले उसको मधु चटाई जाती है।

मधु टाईफायड, पेचिश, संग्रहणी और दूसरे रोगों के भयानक कीटाणुओं को क्षणों में मार देती है। इसमें बराबर मच्छली का तेल मिला और घोटकर साफ कपड़े की गद्दी में डुबोकर कारबंकल, सूजन या किसी प्रकार के फोड़े पर रख देने से थोड़ी ही देर में दर्द, जलन, टीस, सूजन दूर हो जाती, फोड़ा फट जाता और प्रतिदिन यही दवा रखते रहने से भर जाता है। मधु शरीर की काफी गहराई से विषैले अंश त्वचा पर लाकर पीप आदि के रूप में विषों को निकाल देती है। मधु में गर्म सिरका मिलाकर मुंह में रखने से गला रुक जाना, गले की सूजन, बोल न सकना को आराम आ जाता है। मधु में चौथाई नींबू का रस मिलाकर पीने से फेफड़ों की वायु प्रणालियों की सूजन से होने वाली कष्टदायक खांसी दूर हो जाती है। बार्ले वाटर (जौ के उबले पानी) में एक छोटा चम्मच मधु मिलाकर पिलाते रहने से दस्त आने बन्द हो जाते, ज्वर, गर्मी, मूत्र बन्द हो जाना, जलकर आने को आराम आ जाता है। गर्म दूध में एक छोटा चम्मच मधु मिलाकर सोते समय पी लेने

से गहरी नींद आ जाती है। न्यूमोनिया, हाई ब्लड प्रेशर और दिल की कमजोरी में मधु ताकत देने वाले इन्जेक्शनों से भी अधिक लाभ पहुंचाती है।

आस्ट्रेलिया के एक वृक्ष पर मधु मक्खियों का ११ मीटर ऊंचा और ७ मीटर चौड़ा छत्ता लगा हुआ था जिससे ३ हजार किलोग्राम मधु निकला, मधु को खाते रहने और सिर में मलते रहने से गंज के स्थान में भी बाल पैदा हो जाते हैं, आतशक, आग से जल जाना और ५० के लगभग रोग मधु से दूर किये जा सकते हैं। प्राचीन काल में मिट्टी के बड़े २ मटकों में मुर्दे को डालकर शहद भर दी जाती जिससे सैंकड़ों वर्ष तक मुर्दा उसी प्रकार सुरक्षित रहता और बदबू न पड़ती। हिलारी और तेन सिंह जो हिमालय की सबसे ऊंची चोटी माउन्ट ऐवरेस्ट पर सबसे पहले चढ़े। दिन में कई बार शहद खाते थे। संसार का सबसे बड़ा पहलवान गामा दिन में कई २ बार शहद दूध में मिलाकर पिया करता था। दमा के रोगी को गर्म पानी में शहद मिलाकर पिलाते रहने से उसका यह रोग दूर हो जाता है। पेचिश टाईफायड, पाण्डू रोग में रक्त आने पर शहद पिलाते रहने से रक्त स्राव बन्द हो जाता है। इससे दस्त आने और जोड़ों की दर्द व सूजन भी दूर हो जाती है। सख्त सर्दी में गहरे समुद्रों में गोता लगाने वाले और काफी देर तक बर्फ जैसे ठण्डे पानी में डुबकी लगाने वालों को उनको सर्दी से बचाने और गर्म रखने के लिये अधिक मात्रा में शहद पिलाई जाती है। मधु, मधुमक्खी की मोम और डंक से रोगो की चिकित्सा हिन्दी पुस्तक मूल्य २ रुपया में पचासों भयानक रोग दूर करने के वृतान्त विस्तार से लिखे गये हैं।

रूस में Bee and the People मूल्य ६ रुपया अंग्रेजी में पुस्तक प्रकाशित हुई है। जिसमें शहद से विभिन्न रोग दूर करने, फलों के अतिरिक्त एन्टी बायोटिक, सल्फा, दवाओं, गाजरों से ताकत देने और आयु बढ़ाने वाले खाद्यों व दवाओं के रस और क्वाथ मक्खियों को पिलाकर उनके गुणों जैसा शहद तैयार करने पर रूसी डाक्टरों की रिसर्च का रोचक वृतान्त लिखा गया है।

संस्कृति संस्थान की पुस्तकें

पुस्तक	मूल्य
योग चिकित्सा प्रथम भाग	६.५०
योग चिकित्सा दूसरा भाग	६.२५
योग और यौवन	६.००
योगासन से रोग निवारण	६.००
मन्त्र शक्ति से रोग निवारण	५.७५
हिप्नोटिज्म (सम्मोहन विज्ञान)	५.७५
सुन्दर कैसे बनें	४.७५
रोग, मृत्यु और ज्योतिष	४.७५
स्वप्नदोष चिकित्सा	२.४०
सरल घरेलू चिकित्सा	४.५०
तुलसी चिकित्सा	४.००
बाल रोग चिकित्सा	५.००
प्राथमिक चिकित्सा	५.५०
मूत्र चिकित्सा	२.७५
विष चिकित्सा	२.५०
सूर्य चिकित्सा	३.००
मूर्च्छा चिकित्सा	२.५०
मधुमेह चिकित्सा	३.००
प्रदर चिकित्सा	२.७५
मोतीझारा चिकित्सा	३.००
पशु रोग चिकित्सा	३.७५
सरल बर्थ कन्ट्रोल	२.४०
गर्भ, प्रसव, नवजात शिशु	५.७५
कद कैसे बढ़ायें	२.७५
मिट्टी रोग चिकित्सा	२.००
मोटापा कैसे दूर हो	२.७५
भोजन से स्वास्थ्य	४.७५
सरल प्राकृतिक चिकित्सा	५.५०
नये रोगों की प्राकृतिक चिकित्सा	५.७५
पेट के रोगों की प्राकृतिक चिकित्सा	६.००
स्त्री रोग होमियो० चिकित्सा	४.२५
गुप्त रोग होमियो० चिकित्सा	३.००
उपवास चिकित्सा	३.७५
कच्चा खायें, स्वस्थ रहें	२.५०
फल चिकित्सा	२.००
मालिश और स्वास्थ्य	१.७५
विटामिन और स्वास्थ्य	२.००
सरल होमियो० चिकित्सा	५.७५
हृदय रोग चिकित्सा	६.५०
ब्लड प्रैशर चिकित्सा	३.२५
पोलियो चिकित्सा	५.००
कायाकल्प चिकित्सा	६.००
चर्म रोग चिकित्सा	५.७५
दर्दों की चिकित्सा	४.५०
कब्ज चिकित्सा	४.२५
नेत्र राग चिकित्सा	४.७५
दन्त रोग चिकित्सा	२.५०
दमा चिकित्सा	२.५०
गुप्त रोग चिकित्सा	५.७५
सौ वर्ष तक स्वस्थ रहें	३.००

मेडिकल हाउस ३६५६ कुतब रोड, देहली–६

भारत सरकार, राज्य सरकारों और सरकारी संस्थाओं की पुस्तकें

शल्य विज्ञान की पाठ्य पुस्तक (सर्जरी व आपरेशन पर बड़ी पुस्तक) प्रथम भाग १२.००, दूसरा भाग ११.७५

आयुर्विज्ञान शब्दावली (अंग्रेजी से हिन्दी की मेडिकल डिक्शनरी दो भाग) १२.८५

बृहत पारिभाषिक शब्द संग्रह (बहुत बड़ी मेडिकल डिक्शनरी अंग्रेजी से हिन्दी) २५.००

नेत्र रोग परिचय ५.००

वनौषधि निर्दशिका १६.००

क्लीनिकल संज्ञाहरण प्रवेशिका (बेहोश करने वाली दवायें) १२.५०

प्रसूति विज्ञान १८.७५

नेत्र विज्ञान १८.००

बच्चों के रोगों की पाठ्य पुस्तक ६३० बहुत बड़े पृष्ठ ३६.००

आहार और पोषणाहार १२.७५

पशु आयुर्विज्ञान (पशु के रोगों की चिकित्सा पर बहुत बड़ी पुस्तक) ३०.००

शरीर क्रिया विज्ञान ४४.००

अपना हृदय सबल बनायें ३.२५

रोग विज्ञान (रोगों के लक्षण व चिकित्सा) ६.००

वैद्यनाथ के आयुर्वेदिक प्रकाशन

बड़ा साईज, सजिल्द, ब्रेकेट में पुस्तकों के पेज लिख दिये गये हैं।

अष्टांग संग्रह सूत्र स्थान व्याख्या सहित (७७०) १२.००

अम्लपित निदान व चिकित्सा (८७) २.००

आरोग्य प्रकाश (५३६) ६.००

आयुर्वेदीय क्रिया शरीर (एनाटोमी फिजियालोजी) (८८८) २१.००

सिद्ध योग संग्रह वैद्य यादवजी त्रिकम जी के अनुभूत योग (१७६) ८.००

उपचार पद्धति (१०८) १.२५

औषधि विज्ञान शास्त्र (८३८) २७.००

द्रव्य गुण विज्ञानम (३८८) १५.००

आयुर्वेद सार संग्रह (७४४) २८.००

त्रिदोष तत्व विमर्श (१६२) ४.००
निदान चिकित्सा हस्तमलक (८१६) १८.००
मोटापा कम करने के उपाय ४.००
यौवन विज्ञान पर नया प्रकाश ४.००
रस, भस्म सेवन विधि १.५०
संक्रामक रोग विज्ञान (८७०) १३.००
वैद्य सहचर (३४६) ६-५०
मानस रोग विज्ञान (२२२) १०-००
युनानी चिकित्सा सार (५७६) ९-००
युनानी सिद्ध योग संग्रह (२३८) १०-००
शारंगधर संहिता टीका सहित (६०८) ८-००

डाक्टरी व चिकित्सा सम्बन्धी हिन्दी पुस्तकें

वैद्य विशारद गाईड प्रथम १५.००
वैद्य विशारद गाईड द्वितीय २०.००
आयुर्वेद रत्न गाईड प्रथम भाग २५.००
आयुर्वेद रत्न गाईड द्वितीय भाग २५.००
मेडिकल एस्ट्रालोजी, (ज्योतिष व रोग) ८.००
मन्त्र शक्ति ८.००
तन्त्र शक्ति ८.००
मूक प्रश्न विचार ८.००
एक महीने में ज्योतिष सीखें ८.००
रत्न सागर व रत्न चिकित्सा १५.००

चौखम्बा

एलोपैथिक मेटेरिया मेडिका एवं चिकित्सा विज्ञान ३०.००
लंका भैषज्य मणिमाला ६.००
रसायन तन्त्र ८.००
शल्य प्रदीपिका (सर्जरी) २५.००
हाईड्रोसिल व हर्निया का आपरेशन (सचित्र) ६.००
रत्न विज्ञान २०.००
केरलीय पंचकर्म चिकित्सा ५.००
चर्म रोग विज्ञान ४.००
द्रव्य गुण विज्ञान (बहुत बड़ा निघन्टु) ४५.००
रस चिकित्सा ८.००
स्त्री रोग विज्ञान १२.००
रोगी परीक्षा १५.००
भाव प्रकाश निघन्टु ३०.००
क्लीनिकल पैथालोजी ३०.००
चर्क संहिता (हिन्दी टीका सहित) ८०.००
एक्स-रे डायग्नोसिस (सचित्र) ३०.००
एलोपैथिक चिकित्सा विज्ञान ६५.००

साधुओं सन्यासियों के २० चमत्कारी योग

(१) बारीक पिसी वच शहद में मिलाकर दो तीन घन्टे बाद थोड़ी २ चटाने और जीभ पर कई महीने तक मलते रहने से तुतलाना, बोल न सकना, मिर्गी, पागलपन, याद न रहना, पक्षाघात जैसे भयानक रोग दूर हो जाते हैं। अटक २ कर बोलने वाले साफ २ बोलने लग जाते हैं।

(२) हार सिंघार के फूल एक दो माशा पानी में भिगोकर ढक कर रात भर पड़ा रहने दें। दिन को यह निथरा पानी पिलाते रहने से बवासीर का खून आना रुक जाता है।

(३) नीम की कोंपलें आधा से एक तोला, काली मिर्च ३ नग पानी में रगड़ और छानकर पीते रहने से खुजली, जवानी के कील, मुहासे, रक्त के दोष, बार बार फोड़े निकलना और दूसरे चर्म रोगों को आराम आ जाता है। नीम की निम्बोलियों का तेल घाव जिनमें कीड़े पड़ चुके हों, बदबू और पीप आये, घाव न भरें। इस तेल को मलते रहने से ऐसे गन्दे घाव भी भर जाते हैं। नीम का तेल व चालमूगरा का तेल बराबर २ मिला लें। कुष्ठ (कोढ़) के घावों पर मलते रहने से उनकी पीप खुष्क हो जाती। घाव भर जाते और खुरदरी त्वचा मुलायम हो जाती है। ४–६ महीने तक मालिश करनी जरूरी है। कोढ़ी को चालमूगरा का तेल ५ बूंद दूध में डालकर भोजन के बाद दिन में दो तीन बार पिलाते रहें। धीरे २ मात्रा बढ़ाकर ४०-५० बूंद तक पिलायें। सैंकड़ों कुष्ठ रोगियों को आराम आ चुका है।

(४) लहसुन की ४ से ८ फांकें दूध में उबालकर प्रतिदिन पीते रहने से फेफड़ों के क्षय रोग को आराम आ जाता है।

(५) मोचरस (सिम्बल वृक्ष की पिसी गोंद) एक से दो माशा दिन में दो तीन बार खिलाते रहने से शीघ्र पतन, स्त्री के पास जाते ही वीर्य निकल जाने को आराम आ जाता, अत्यधिक सम्भोग आनन्द प्राप्त होता है। इसी दवा से स्त्री का प्रदर बहुत अधिक आना, योनि से तरल आना, दस्त आना, पेचिश में आंव आना, वीर्य निकलते रहना जैसे रोग दूर हो जाते है।

(६) मुन्डी (गोरख मुन्डी) को पीसकर दो तीन माशा खिलाते रहने

से मस्तिष्क व स्नायु रोग को आराम आ जाता है।

(७) मालकंगनी के बीजों का तेल ५ से १० बूंद दूध में मिलाकर पीते रहने से जोड़ों का दर्द व सूजन, पुराना कमर दर्द, गृद्धसी (रींगन बाई) फालिज जैसे रोग दूर हो जाते, स्मरण शक्ति बहुत बढ़ जाती है। सर्दियों में ही प्रयोग करें। इस तेल की शिश्न पर मालिश करने से मर्दाना ताकत बहुत बढ़ जाती है।

(८) लोध का चूर्ण एक दो माशा स्त्री को खिलाते रहने से गर्भाशय की मांसपेशियां ढीली हो जाने से मासिक धर्म बहुत अधिक आना, दस्तों व बवासीर का रक्त आना को आराम आ जाता है। इसको मसूड़ों पर मन्जन की भांति मलते रहने से पीप व खून आना रुक जाता हैं।

(९) बारीक पिसी लोबान दो से चार रत्ती गर्म पानी से खिलाने से फेफड़ों की नालियों में जमी बलगम पतली होकर निकल जाती और दमा में सांस कठिनाई से आने को आराम आ जाता है। मर्दाना ताकत पैदा होती, शरीर के अंग सुन्न हो जाना, लकवा, फालिज, गठिया जैसे रोग दूर हो जाते हैं।

(१०) चकमाक पत्थर जिसको लोहे पर रगड़ने से आग निकलती है को पीस व कपड़े से छानकर कंठमाला की फटी गिल्टियों पर छिड़कने से उनकी पीप खुष्क हो जाती और पुराने घाव भर जाते हैं।

(११) शंख को पानी में घिसकर इसका लेप पड़बालों (आंखों के वह बाल जो आंखों के अन्दर मुड़ जाने से आंखों में दर्द, पानी बहना आदि रोग पैदा कर देते हैं) पर लगाते रहने से पड़बाल नष्ट हो जाते हैं। शख को शहद में घिसकर आंखों में डालने से आंखों के घाव भर जाते और चेचक के दाने आंखों में नहीं निकलते। शंख को जलते कोयलों पर जलाकर पीस व कपड़े से छान लें। तीन चार रत्ती दवा गर्म पानी से खिला देते ही तीव्र पेट दर्द दूर हो जाता है।

(१२) शंखावली बूटी का चूर्ण २-३ माशा दूध या मक्खन या पान से खाते रहने से याद न रहना, पागलपन, मिर्गी, मानसिक कमजोरी जैसे रोग दूर कर सकते हैं।

(१३) बारासिंगा का सींग पानी से घिस २ कर इसमें पिसी काली मिर्च भी खरल कर छाती पर लेप लगाने से पसली का दर्द (पिल्यूरिसी) जैसे भयानक रोगों को आराम आ जाता है। २-३ रत्ती बारासिंगा भस्म गर्म पानी से खिलाने से न्यूमोनिया और दमा के दौरे तक को आराम आ जाता है।

(१४) काफूर ½ रत्ती, अफीम ¼ रत्ती दोनों की एक गोली बना लें। रात को सोते समय ताजा पानी से खिला देने से रात को कई कई बार वीर्य निकल जाने को आराम आ जाता है।

(१५) क्षय के रोगी को गधी का दूध ७ तोला पिलाना शुरू करें, धीरे २ गधी के दूध की मात्रा बढ़ाकर आधा सेर तक पहुँचा दें। इसके साथ ही रोगी को पिसी हुई रुदन्ती का फल ३ रत्ती भी दिन में तीन बार प्रतिदिन खिलाते रहें। गधी का दूध न पीने पर दूध में लहसुन की २ से ६ फांकें उबालकर यह दूध भी पिलाते रहें। इस चिकित्सा से पुराना ज्वर, क्षय रोग तक दूर होने लग जाते, रोगी के ज्वर और खांसी को आराम आ जाता, बलगम घट जाती, वजन बढ़ने लग जाता और इस सस्ते इलाज से भूख बढ़ जाती है।

(१६) सिरस वृक्ष की छाल को कूट छानकर पानी में उबालकर गरारे करने से मसूड़ों से पीप व रक्त आना (पाईयोरिया) जैसा भयानक रोग दूर हो जाता है।

(१७) कुलथी और नख दोनों समभाग बारीक पीसकर कपड़े से छान कर रख लें। ६ माशा यह दवा पत्थरी के कारण तीव्र वृक्कशूल से रोगी तड़पने लग जाने पर गर्म २ अर्क सौंफ से यह दवा खिला देने से रोगी का दर्द क्षणों में दूर हो जाता है।

(१८) पिसी राई एक दो चम्मच थोड़े पानी में मिलाकर कागज पर लगाकर आमाशय के ऊपर यह कागज चिपका दें। सख्त से सख्त कै और मितली दूर हो जाती है। इस लेप को १० मिनट बाद उतार दें और इस स्थान को धोकर तिलों का तेल लगा दें।

(१९) जटामांसी (बालछड़) ६ माशा कूटकर आधे लिटर पानी में डालकर ढक कर रात भर पड़ा रहने दें। दिन को ५ तोला पानी ६-८ घण्टे

बाद पिलाते रहें। इससे हाथ, पांव, सिर और शरीर कांपना, स्त्रियों को बार २ हिस्टेरिया के दौरे पड़ना, मिर्गी आदि के दौरों को आराम आ जाता है।

(२०) आंखों के कुकरे, घाव, पानी बहने पर नीले थोथे की डली पानी में गीली करके आंखों के दोनों पपोटों को उलट कर नर्मी से एक ही बार फेर दें। जब तक आराम न आये इसी प्रकार फेरते रहें। पुराने से पुराने कुकरे दूर हो जाते हैं।

यह लेख हमारी पुस्तक जड़ी बूटियों के चमत्कार व साधुओं सन्यासियों की दवाओं से लिया गया है। इस हिन्दी पुस्तक में सैकड़ों जड़ी बूटियों और देसी दवाओं के ऐसे २ आसान, कम कीमत नुस्खे दर्ज हैं जिनसे आप पुराने से पुराने रोगी जो सरकारी अस्पतालों में भी स्वस्थ नहीं हो सकें ठीक कर सकते हैं। १६२ पृष्ठ सजिल्द मूल्य ८ रुपया। वनौषधि निर्देशिका यू० पी० सरकार की हिन्दी एकैडमी की पुस्तक ४५२ बड़े पृष्ठ १६ रुपया। भारत सरकार के उर्दू बोर्ड की उर्दू पुस्तक युनानी अदविया मुफरेदा ३६३ बड़े पृष्ठ देसी दवाओं से इलाज पर बहुमूल्य जानकारी व नुस्खे मूल्य १४.५० रुपया, किताब-उल-अदविया उर्दू लेखक हकीम राम लभाया प्रिंसिपल हमदर्द तिब्बिया कालेज देहली पहला भाग १२ रुपया, दूसरा भाग १५ रुपया। जड़ी बूटियों व भारत की दवाओं पर प्रकाशित पुस्तकें जिनको पढ़कर आप जड़ी बूटियों व देसी दवाओं से इलाज करने में विशेषज्ञ बन सकते हैं।

गुप्त व आध्यात्मिक विद्याओं के चमत्कार

भगवान कृष्ण के चमत्कार–

बनारस के डाक्टर भगवानदास संस्कृत, अंग्रेजी और हिन्दुओं की धार्मिक पुस्तकों के बहुत बड़े विद्वान थे। आप अपनी एक अंग्रेजी पुस्तक "कृष्णा एण्ड थ्योरी आफ अवतार" में कृष्ण महाराज के चमत्कारों, जादू और अदभुत कार्यों का इस प्रकार वर्गीकरण किया है।

प्रकाश कई रूपों में प्रकट होता है।

(२) सैकड़ों और हजारों मील दूर की घटनाओं को अपनी आंखों से देखना और बतलाना।

(३) बने हुये थोड़े भोजन या दूसरी सांसारिक वस्तुओं को अत्याधिक मात्रा में बढ़ा लेना।

(४) अपने शरीर को एक ही स्थान की बजाये कई नगरों और स्थानों में एक ही समय में दिखला सकना।

(५) रोगियों, अपंग व्यक्तियों और कुरूप व्यक्तियों की छूते ही स्वस्थ और सही रूप व आकार का बना देना।

(६) विशेष परिस्थितियों में मरे हुये मनुष्य को जीवित कर लेना।

(७) बड़े बड़े अपराधियों और घोर पापियों जैसे बच्चों और सोये हुये लोगों की हत्या करने वालों को केवल शाप देकर सजा देना।

हजरत ईसा मसीह और उनके शिष्यों के चमत्कार–

हजरत ईसा मसीह (क्राईस्ट) को भी दिव्य दृष्टि में कमाल प्राप्त था, आध्यात्मिक शक्ति के कमाल से ही उन्होंने अपने जीवन में ही यूरोप और एशिया में ख्याति प्राप्त कर ली थी। हजरत ईसा मसीह के चमत्कार तो सारे संसार में प्रसिद्ध हो चुके हैं। हजरत ईसा मसीह को असाध्य रोगों में ग्रस्त मनुष्यों को स्वस्थ बना लेने में महान शक्ति प्राप्त थी। वह पागलों, कोढ़ियों तक को स्वस्थ बना लेते। वह हिन्दू योगियों की भांति पानी पर चलने का गुण रखते थे। वह अपने आपको दूसरों की दृष्टि से छुपा सकते थे। उनकी आध्यात्मिक शक्ति से थोड़ा सा भोजन सैकड़ों मनुष्यों के खा लेने पर भी समाप्त न होता। अर्थात वह भोजन में अपनी इच्छानुसार वृद्धि कर सकते थे। वह सादे पानी को शराब में बदल देते, वह मृत व्यक्तियों को जीवित कर सकते थे। मरने के बाद कब्र से निकलकर लोगों ने उनको दोबारा जीवित देखा। बाद में उन्होंने अपना रूप इस प्रकार बदल लिया कि उनके शिष्य और अनुयायी तक उनको पहचान नहीं सकते थे। बाद में उन्होंने अपने शरीर को आकाश में दिखाया और वह किसी दूसरे लोक में चले गये।

उनके पश्चात उनके कई प्रसिद्ध अनुयायी और आध्यात्मिक शक्ति वाले भी इस प्रकार के चमत्कार और अदभुत कार्य दिखलाते रहे। उनमें बहुत से ईसाई सन्त आध्यात्मिक शक्ति से बिना दवा खिलाये रोगियों को स्वस्थ बना लिया करते थे। प्रथम शताब्दी के प्रसिद्ध ईसाई Apollonius (अपोलोनियस) टियाना निवासी भी आध्यात्मिक शक्ति के बहुत बड़े विशेषज्ञ थे। एक बार एक नगर में प्लेग से सैकड़ों मनुष्य प्रतिदिन मर रहे थे परन्तु जब वह उस नगर में दौरा करते हुये पहुंचे तो उसी दिन ही प्लेग की महामारी समाप्त हो गई और उनके आने के पश्चात एक व्यक्ति की भी प्लेग से मृत्यु नहीं हुई। कई ईसाई सन्त हवा में उड़ और आकाश में चल सकते थे। बहुत कम लोगों को इस बात की जानकारी है कि हिन्दू, बुद्ध, मुसलमान और ईसाई जो द्विव्य दृष्टि में निपुण होते थे। आध्यात्मिक शक्ति से एक दूसरे के साथ विभिन्न धर्म, विभिन्न देश, विभिन्न भाषा होने पर भी आपस में सम्बन्ध बनाये रखते थे। विभिन्न देशों के द्विव्य दृष्टि रखने वालों की गुप्त संस्था थी जो हजारों मील दूर होते हुये भी अपने विचारों का आदान प्रदान करते थे।

यदि आप आध्यात्मिक और गुप्त विद्यायें सीखना और उनमें विशेषज्ञ बनना चाहते हैं तो नीचे लिखी पुस्तकें पढ़ें।

आध्यात्रिक और गुप्त विद्यायें हिन्दी—द्विव्य दृष्टि से भूत, भविष्य की बातें बताना, दबे खजानों की खोज, योगियों के चमत्कार, योग, मिस्मेरेज्म, भूत विद्या, मृत आत्माओं से बातचीत और गुप्त विद्यायें सीखना, ८ रुपया।

अंग्रेजी पुस्तकें——लाईफ आफ ए योगी स्वामी योगानन्द १५ रुपया, Ocult कोलिन विलसन की अमेरिका में छपी ७९५ पृष्ठ की पुस्तक ३८ रुपया। पाल ब्रुन्टन की पुस्तकें हिडन टीचिंग बीयाण्ड योगा, सीक्रेट पाथ, सर्च इन सीक्रेट इन्डिया, सर्च इन सीक्रेट इजिप्ट, ए हरमिट इन दी हिमालाय हर पुस्तक का मूल्य १५ रुपया।

चिकित्सकों के लिये आवश्यक सामान

लीव सर्टिफिकेट बुक—रोगी को अवकाश दिलाने के लिये ५० सर्टिफिकेट की एक कापी हिन्दी या अंग्रेजी में छपी २.२५ रुपया। १०० सर्टिफिकेट ४ रुपया।

फिटनेस सर्टिफिकेट बुक—निरोग हो जाने पर यह सर्टिफिकेट दें। ५० सर्टिफिकेट की एक कापी २.२५ रुपया। १०० सर्टिफिकेट ४ रुपया।

रोगियों की पर्चियां—रोगियों के नाम, रोग के लक्षण, औषधि का वर्णन इन पर्चियों पर लिखें। सौ सौ पन्ने की दो कापियां ४ रुपये।

स्टेथस्कोप लगाना सीखें—योग्य डाक्टर बनने, फेफड़ों, छाती और दिल के रोगों का निरीक्षण करने के लिये प्लास्टिक की ट्यूबों वाला बढ़िया स्टेथस्कोप और इसके साथ इस यन्त्र को प्रयोग करने और विभिन्न रोगों की परीक्षा करने की पुस्तक। दोनों का मूल्य २१.७५ रुपया।

दवाओं के कैपसूल—रोगियों को कड़वी कसैली, कीमती तथा मर्दाना शक्ति की दवायें पुड़ियों और गोलियों के रूप में देने की बजाय कैपसूलों में डालकर दें और अधिक मूल्य लें। दो सौ रंगीन कैपसूल ८ रुपया, बड़े १० रुपये डाकखर्च अलग।

बन्द मूत्र जारी करने के छोटे बड़े ८ कैथेटर (मूत्र निकालने की पुस्तक सहित) १२.००

औषधालय व डिस्पेन्सरी सजाने के लिए ४–५ रंगों में छपे सुन्दर चार्ट, हर चार्ट के ऊपर नीचे लकड़ी के रोलर, पीछे कपड़ा लगा हुआ। दिमाग व स्नायु, हड्डियों का पिंजर, आंख, कान, पट्ठे, चर्म, पाचनांग, हृदय व रक्त संचार, फेफड़े व श्वास संस्थान, पुरुषों व स्त्रियों के गुप्तांग। दस विभिन्न चार्टों का सैट ६० रुपया। कोई एक चार्ट ६.५० रुपया।

हैड मिरर—कान, नाक, गले की परीक्षा करने का यन्त्र ३५.००

गुदा की परीक्षा करने बवासीर के मस्सों व गुदा में दवा लगाने के लिये

रैक्टम स्पेकुलम, २२.०० । योनि व गर्भाशय में दवायें लगाने, बच्चा पैदा करने; योनि फैलाने का वजाईनल स्पेकुलम, १८.०० । नाक को चौड़ा करके दवायें लगाने का नेजल स्पेकुलम, ८.०० । गर्भ गिरने, गर्भाशय का मुंह खोलने के विभिन्न साईज के

आपरेशन के समय हाथों पर पहनने वाले रबड़ के दस्ताने १ जोड़ा, ४.०० । टांके लगाने की छोटी बड़ी ६ सुईयां, १२.०० । नाक, कान, गले की परीक्षा में काम आने वाले आवश्यक यन्त्र बाक्स में सजे हुये, ८५.०० । टुर्नीक्वेट–सांप के विष को रक्त में मिलने से रोकने के लिये बाजू या जांघ पर बांधने की पेटी, ५.०० ।

चीरने, काटने व आपरेशन की कैंची ५ इन्च, ७.५० । आर्टरी फोरसेप्स–धमणी से बहता रक्त बन्द करने का जम्बूर, १०.५० । छोटे छोटे आपरेशन करने के लिए आपरेशन करने के यन्त्रों का बड़ा बक्स ८०.०० ।

बढ़िया स्टेथस्कोप २०.०० । स्टेथस्कोप रखने का बैग ६.०० ।

इन्जेक्शन लगाने की शीशे की सिरिंज २ मिलीलिटर ५.५०, ५ मिलीलिटर ६.५०, १० मिलीलिटर ८.०० । प्लास्टिक की सिरिंज २.५०, ३.५०, ६.५० । दांत निकालने का जम्बूर १५ रुपया । कान धोने की प्लास्टिक की सिरिंज ४ रुपया । प्लास्टिक की ग्लीसरीन सिरिंज दो औंस ६ रुपया । दवायें डालने के बड़े खाली २०० कैपसूल दस रुपया ।

ब्लड प्रैशर देखने का स्फिग्मोमेनोमीटर डायल वाला १५० रुपया ।
ब्लड प्रैशर देखने का स्फिग्मोमेनोमीटर पारे वाली १६० रुपया ।
२ सैलों से चलने वाली रोगों की चिकित्सा करने की इलैक्ट्रिक मैग्नेटो मशीन ५५ रुपया । एनीमा व डूश करने का रबड़ का यन्त्र ८ रुपया ।
आर्गन डीवेलपर–पुरुष इन्द्री दोष और नामर्दी दूर करने का यन्त्र प्रयोग विधि सहित ४५ रुपया । ब्रेस्ट डीवेलपर–स्त्री स्तन सुन्दर, गोल बनाने वाला यन्त्र ५५ रुपया ।

मेडिकल हाउस ३६५६ कुतब रोड, देहली–६

पुराने रोगों की हानिरहित प्राकृतिक दवायें

(१) एक रोगी के मूत्राशय में कई वर्षों से पत्थरियां थीं। उसने डा० लाब की अंग्रेजी पुस्तक पत्थरियां, कंकर, रेत निकालने वाली दवायें पढ़कर नाशपातियां खानी शुरू कीं। दिन में १२–१५ नाशपातियां खा लेता या उनका रस निकालकर पी लेता। ७–८ दिन तक नाशपातियों का रस पीते रहने से उसको अत्याधिक कठिनाई और दर्द से मूत्र आया, मूत्र देखने पर उसे पत्थरी का एक बहुत बड़ा टुकड़ा निकला जो रस पीते रहने से इतना कमजोर हो चुका था कि हाथ से दबाते ही बारीक पाउडर बन गया। इसके बाद उसको फिर कभी पत्थरी नहीं हुई।

(२) यूगोसोलाविया का एक डाक्टर जिन स्त्रियों को बच्चेदानी में कैंसर या रसूली होती। चुकन्दर का रस दिन में जितना स्त्री पी सकती थी पिलाता। चुकन्दर का रस २–३ महीने पिलाते रहने से उनकी रसूलियां और कैन्सर खुश्क होती चली जाती और उनको आपरेशन न कराना पड़ता।

(३) नींबू के रस से इलाज

नींबू का रस निकाल साफ कपड़े से छान कर बराबर मूंगफली के तेल में मिलाकर भली प्रकार फैंट लें। अब इसको ड्रापर या ग्लीसरीन सिरिंज से २–३ छोटे चम्मच रात को सोते समय गुदा में प्रवेश कर दें। एक सप्ताह तक हर रात यह दवा गुदा में डालते रहें। किसी प्रकार का दर्द कष्ट नहीं होता। इस सरल हानिरहित दवा से पाखाना बिना कष्ट आ जाता, गुदा के घाव, चिर या फट जाना को आराम आ जाता, मस्सों की सूजन, दर्द, जलन दूर हो जाती और मस्से खुश्क हो जाते हैं। नींबू की विटामिन सी अन्तड़ियों में पहुंच जाती, गुदा और शरीर की इन्फेक्शन भी दूर हो जाती है।

पहले पेज के अनुसार हर मेम्बर चिकित्सा, स्वास्थ्य के सम्बन्ध में कोई दो प्रश्नों के उत्तर मुफ्त पूछ सकता है। प्रश्नों का उत्तर चिकित्सक में प्रकाशित होगा। पत्रों द्वारा उत्तर नहीं दिया जायेगा। किसी प्रश्न का उत्तर न दे सकने पर सम्पादक बाध्य नहीं होगा।

मेडिकल हाउस ३६२६ कुतब रोड, देहली–६

(४) एलोपैथी की मरहमें एक्ज़ीमा के स्थान पर लगाते रहने से उस स्थान के विषैले अंश शरीर में दब जाने से यह रोग दूर हो जाता है। एक्ज़ीमा का विष शरीर से निकालने के लिये होमियोपैथिक दवा इचिनीशियाQ १० बूंद, अनन्तमूल (देसी सारसपरेला) १० बूंद दोनों को थोड़े पानी में मिलाकर दिन में २–३ बार पिलाते रहें। इससे रक्त शुद्ध होकर इस रोग के कष्ट, जलन, खुजली, तरल बहना घट जाता है। रोगी हरे पत्तों वाली सब्जियां, गाजरें, खीरा आदि प्रतिदिन कई बार खाये या बार २ इनका रस पीता रहे। इससे न केवल एक्ज़ीमा बल्कि कई दूसरे रोग भी दूर हो जाते हैं।

भयानक रोगों की मुफ्त दवा

यदि किसी रोगी का मूत्र बन्द है। कई दिनों से मूत्र नहीं आया, मूत्राशय व वृक्कों में सूजन आ चुकी है। किसी बूढ़े व्यक्ति की प्रास्टेट ग्लैन्ड सूज जाने या बड़ी हो जाने के कारण उसको मूत्र नहीं आ रहा है। डाक्टर कैथेटर डालकर मूत्र निकालने या आपरेशन करने की सलाह देता है। रोगी मूत्र रुक जाने के कारण तड़प रहा है। दवायें पीने पर भी मूत्र नहीं आ रहा तो उसको अपना मूत्र पी लेने को कहें। मूत्र पी लेते ही उसका रुका हुआ मूत्र जारी हो जायेगा और रोगी कैथेटर डलवाने व आपरेशन कराने से बच जायेगा। ब्रिटेन के श्री आर्म स्ट्रांग को छोटी आयु में ही क्षय रोग हो गया, बड़े २ डाक्टरों और सरकारी अस्पतालों में रहकर भी आराम न आया। किसी ने उनको अपना मूत्र पीने की सलाह दी। अपना मूत्र पीते रहने से उनका पुराना क्षय और दूसरे कई रोग दूर हो गये। बाद में उन्होंने हजारों पुराने रोगियों को जिनके बचने तक की कोई आशा नहीं थी। अपना मूत्र पिलाकर स्वस्थ बना लिया। उन्होंने मूत्र से चिकित्सा करने पर वाटर आफ लाईफ अंग्रेजी पुस्तक लिखी जिसमें हजारों पुराने असाध्य रोगियों का वृतान्त लिखा जो सरकारी अस्पतालों के डाक्टरों से भी ठीक नहीं हो सके थे।

नई रिपोर्टों के अनुसार आप रोगी को अपना मूत्र पिलाकर कैन्सर, टी० बी०, हृदय रोग, मूत्राशय और वृक्कों के ग्रस्त असाध्य रोग, मोतियाबिन्द,

पुराने जड़ों वाले फोड़े, कारबंकल, भगन्दर, मोटापा, कुष्ठ (कोढ़), फुलबहरी, तर व खुश्क खुजली; शरीर के विभिन्न अंगों में पानी पड़ जाना, पुरानी पेचिश, संग्रहणी, दस्त, गुर्दे का सख्त दर्द, आग से जले घाव, पायोरिया, मासिक धर्म सम्बन्धी रोग, बवासीर, खांसी, जुकाम, सिर दर्द, वायु अधिक पैदा होना, टाईफायड ज्वर, हैजा, पक्षाघात इत्यादि सफलता से दूर कर सकते हैं। श्री मोरार जी देसाई भूतपूर्व प्रधान मन्त्री मूत्र से रोगों की चिकित्सा का वर्षों से प्रचार कर रहे हैं। ८५ वर्ष की आयु होने पर भी आप स्वयं मूत्र से जवान दिखाई देते हैं। यदि आप किसी भी रोग में ग्रस्त हैं। वर्षों तक दवायें खाने पर भी आराम नहीं आया तो अपना मूत्र पीना शुरु करें।

शुरू में एक दो तोला मूत्र दिन में २–३ बार एकान्त में जाकर पी लें। कुछ दिन बाद डर व वहम दूर हो जाने पर ½ से एक ग्लास तक पीते रहें। बवासीर, कारबंकल, घाव पर मूत्र में साफ कपड़े की गद्दी डुबो उसके ऊपर दिन में दो तीन बार रखते भी रहें। मोतियाबिन्द में पीते रहने के साथ दिन में कई बार आंखों में मूत्र टपकाते भी रहें।

डाक्टर, वैद्य अपने रोगियों की उनके मूत्र से चिकित्सा करके उनके भयानक पुराने रोग दूर कर सकते हैं। दवाओं के साथ रोगियों को निम्न विधि से मूत्र भी पिलाते रहें। रोगी आने पर उसको अपना मूत्र परीक्षा के लिये लाने को कहें। तब दूसरी बोतल में मूत्र में थोड़ी हल्दी डालकर दवा के रूप में उसे दे दें! इससे रोगी को शक नहीं होगा। मूत्र में कई प्रकार के हारमोन होने के साथ यह शक्तिशाली टानिक भी है। इससे पुराने रोगियों की कमजोरी दूर हो जाती है। शरीर से विषैले प्रभाव निकल जाते और वह ताकतवर होने लग जाते हैं। आप अपने मूत्र से अपने सम्बन्धियों और रोगियों के ऐसे २ पुराने असाध्य रोग दूर करने में सफल हो सकेंगे जो बड़े बड़े डाक्टरों और सरकारी अस्पतालों में भी स्वस्थ नहीं हो सके। लोगों को मुफ्त स्वस्थ बनाने और पुराने रोग दूर करने में स्वयं मूत्र बहुत ही सफल दवा है जो लोग स्वयं मूत्र से पुराने रोग दूर करने में विशेषज्ञ बनना चाहते हैं वह बम्बई में छपी पुस्तक "अपने ही मूत्र से अपना इलाज" हिन्दी लेखक आचार्य जगदीश रियायती मूल्य ७ रुपया। शिवाम्भू चिकित्सा भूमिका

लेखक श्री मोरारजी देसाई भूतपूर्व प्रधान मन्त्री मनुष्य मूत्र से सैकड़ों पुराने रोगों के इलाज करने पर सबसे बड़ी प्रताणित हिन्दी पुस्तक १० रुपया। Water of Life लदन के आर्म स्ट्रांग की मूत्र से रोगों के इलाज करने पर संसार प्रसिद्ध अंग्रेजी पुस्तक १२ रुपया पढ़कर मूत्र से चिकित्सा करने में विशेषज्ञ बन सकते हैं।

जादू दिखाने वाली होमियोपैथिक दवायें

इनकी पहली ही खुराक से रोग कम होने लग जाता है। सस्ती और हानिरहित दवायें हैं। वैद्य, डाक्टर अपने रोगियों को स्वस्थ बनाकर उनसे २-३ रुपया प्रतिदिन ले सकते और पढ़े लिखे अपने व सम्बन्धियों के रोग दूर कर सकते हैं।

(१) **सोरेलिया कार** (Psoralia Cor)–फुलबहरी जिसको सफेद कोढ़ भी कहते हैं। इस रोग में चेहरे और शरीर पर सफेद दाग हो जाते हैं। दूसरे लोग ऐसे व्यक्ति से घृणा करते है। जवान लड़कियों व लड़कों की शादी में यह रोग रुकावट डालता हैं। ५ बूंद यह दवा थोड़े पानी में डालकर दिन में तीन बार ३-४ महीने तक पिलाते रहने और यही दवा सफेद दागों पर मलते रहने से सफेद दाग दूर हो जाते हैं। कोढ़ और चम्बल को दूर करने में भी यह दवा लाभकारी है।

(२) **सनेगा** (Senega Q)–दमा (श्वास रोग) का दौरा पड़ जाने से सांस कठिनाई से आना, आवाज बैठ जाना, खांसने पर छाती व पीठ में दर्द, सीढ़ियों और ऊंचाई पर चढ़ने से सांस फूल जाना, छाती जकड़ी हुई, छाती बलगम से भरी हुई परन्तु बलगम न निकले, बूढ़ों का दमा और ब्रोन्काईटिस इन रोगों में यह दवा बड़ी २ पेटेन्ट दवाओं और इन्जेक्शनों से भी अधिक लाभकारी है। दमा में सांस कठिनाई से आना पहली ही मात्रा से दूर हो जाता, बलगम आसानी से निकल जाती है। ३ से ५ बूंद दवा थोड़े ताजा पानी में मिलाकर पिला दें। या इतनी मात्रा एक ग्लास पानी में मिलाकर थोड़ी २ देर बाद पिलाते रहें।

(३) **फ्यूक्स वैस०** (Fucus Ves. Q)–वजन अत्याधिक बढ़ जाने,

मोटापे, गिल्हड़ की संसार प्रसिद्ध दवा है। इस दवा से रोगी की भूख भी बढ़ जाती, गैस पैदा होना, पेट फूल जाना, पुरानी कब्ज, गले की थाईरायड ग्लैण्ड बड़ी हो जाना जैसे रोग ३-४ महीने तक यह दवा पीते रहने से दूर हो जाते हैं। आलू, घी में तले भोजन न खायें। ५ से १० बूंद दिन में ३-४ पीते रहें।

(४) **अश्वगन्धाQ**--मर्दाना कमजोरी, नपुन्सकता, सम्भोग न कर सकना, वजन गिर जाना, चेहरा पिचका हुआ, रंग पीला, अधिक सम्भोग और वीर्य नाश कर लेने से कमजोरी, कमर में दर्द, शरीर में दर्द, सर्दियों में नजला, जुकाम, शरीर में दर्द होना, वात रोग, वजन कम होना, मर्दाना, शारीरिक व मानसिक ताकत पैदा करने वाली दवा है। ५ से १० बूंद थोड़े पानी में मिलाकर दिन में ३ बार पिलायें।

(५) **ऐसाफीटिडाQ**-हींग से बना यह टिंक्चर पेट में वायु अधिक पैदा होना, पेट फूल जाना, पेट की सख्त दर्द को मिनटों में दूर कर देता, वायु निकल जाती, भोजन खाते ही मल या दस्त आ जाना, हिस्टेरिया की बेहोशी में गले में गोला फंसा प्रतीत हो, पेट फूल जाये, रात को हड्डियों में दर्द होने में भी लाभकारी है। ३ से १० बूंद दवा गर्म या ताजा पानी के गलास में डालकर पिला देते ही तुरन्त आराम आ जाता है। पुराने रोगों में ३-४ बार पिलाते रहें।

(६) **बरबेरिस एकीफोलियम** (Berberis Aquifolium)-जवान लड़के लड़कियों के चेहरे पर जवानी में निकलने वाले कील, मुहासे, फुन्सी को दूर करके चेहरे को सुन्दर और गुलाब की भांति लाल बनाती है। रक्त को शुद्ध करती, चर्म रोग, खुजली, बार बार फोड़े निकलना, स्त्री स्तनों में रसूलियां, सिर में फोड़े फुन्सी, आतशक के बुरे प्रभावों को जादू की भांति दूर कर देती है। २ से ७ बूंद ताजा पानी में मिलाकर दिन में तीन बार १-२ महीने तक पिलाते रहें और रुई के फाये में यह दवा लगाकर कील, मुहासों पर लगाते भी रहें।

(७) **बेलिस पर**-हस्त मैथुन व बुरी आदतों में पड़ जाने, स्वप्न व मूत्र के साथ वीर्य नाश होते रहने से यदि मर्दाना इन्द्री ढीली, कमजोर, टेढ़ी हो

जाये, उसकी जड़ अधिक पतली हो तो मूंगफली के तेल, सांडे के तेल, रीछ की चर्बी या तिलों के तेल में एक चम्मच में ५–७ बूंद यह दवा रगड़कर प्रातः सायं इन्द्री पर मालिश करते रहें। पुरुष इन्द्री में मुर्दा नसों व रक्तवाहनियों में ताकत, जोश और उत्तेजना पैदा करती है। इसके अतिरिक्त मांसपेशियों में दर्द, ऐंठन होना, अंग हिला न सकना, घाव, सर्द पानी से नहाने पर कष्ट बढ़ जाना, हस्तमैथुन के बुरे प्रभाव, चोट, मोच में दर्द, बूढ़ों का सिर चकराना, स्त्री स्तन और गर्भाशय फूल जाना, गर्भवती शिरायें फूल जाने से चल फिर न सके, त्वचा में फोड़े, सूजन, पट्ठों व जोड़ों में दर्दों में इसको वैसलीन या तेल में मिलाकर दर्दों पर मालिश करें और ३ से ७ बूंद ताजा पानी में मिलाकर दिन में २–३ बार पिलाते भी रहें।

इस लेख की बाकी दवाओं का वृतान्त अगले अंक में प्रकाशित होगा। यह दवायें हर बड़े शहर में मिल जाती है। दो औंस किसी एक खालिस व बढ़िया दवा की शीशी का मूल्य १० रुपया है। इतनी दवा से आप १५–२० रोगियों की चिकित्सा करके हर रोगी से २–३ रुपया प्रतिदिन प्राप्त कर सकते हैं। एक रोगी के लिये एक दवा ३०–४० दिन के लिये काफी होती है। एक या तीन दवाओं का डाकखर्च एक जैसा ही होता है। इसलिये डाक पार्सल द्वारा अधिक दवायें मंगवाने में लाभ है।

तीसरी आँख (Third Eye) के चमत्कार

मनुष्य के मस्तिष्क के अन्दर दोनों आंखों के मध्य में नाक के अन्तिम ऊपरी सिरे के पीछे एक छोटी सी ग्रन्थि होती है जिसे Pineal Gland कहते हैं। बड़े बड़े डाक्टरों और वैज्ञानिकों तक को अभी तक यह पता नहीं है कि इस ग्रन्थि का क्या काम है। परन्तु भारत, तिब्बत के पहाड़ों में रहने वाले योगी इसको 'तीसरी आंख' कहते हैं। योगी इस तीसरी आंख को जगा कर दिव्य दृष्टि प्राप्त करके संसार में जहां जो कुछ हो रहा है। अपने स्थान पर बैठे ही देख सकते है। इस तीसरी आंख से योगी यह बतला सकते हैं। कि कौन सा मनुष्य पिछले जन्म में किस रूप में संसार में पैदा हुआ और कौन २ से अच्छे या बुरे काम किये। काफी जड़ी बूटियां और दवायें ऐसी

हैं कि जिनको खाकर मनुष्य तीसरी आंख जगाकर दिव्य दृष्टि प्राप्त कर सकता है।

बड़े २ तान्त्रिक इन दवाओं को खा और योग साधनों द्वारा मूल धारा (गुदा के पीछे रीढ़ की हड्डी के अन्दर) सुश्मना की नाड़ी में सोई हुई कुन्डलनी को जगा लेते हैं। सोई हुई यह कुन्डलनी इन दवाओं के खाने और योग साधनों द्वारा नाभि, हृदय, गले के चक्करों से गुजरती हुई इस ग्रन्थि में पहुंचकर दिव्य दृष्टि पैदा कर देती हैं। योरुप के अध्यात्मिक विद्या जानने वालों ने इन दवाओं और जड़ी बूटियों के नाम लिखे हैं जिनको खाकर मनुष्य माथे के मध्य में तीसरी आंख को खोलकर दिव्य दृष्टि प्राप्त कर सकता है। चिकोरी बूटी, Mugwort, मंडूकपर्णी, ब्रह्मी, चन्द्रायणी, कैफीन को खाकर मनुष्य दिव्य दृष्टि, टेलीपैथी, हजारों मील दूर तक देखने, दूसरों के भूत, भबिष्य, उनके मन की बातें बताने के योग्य हो जाते हैं। बूल लता बूटी को खाकर जो कुछ भी एक एक बार सुन या पढ़ ले। आयु पर्यन्त याद रहता है। इस बूटी से मुर्ख और अनपढ़ तक विद्वान बन जाते हैं। स्थान के अभाव से इन बूटियों का वृतान्त नहीं लिखा जा सका। चिकित्सक के अगले अंकों में इन बूटियों का वृतान्त, चमत्कार, अध्यात्मिक विद्यायें, दिव्य दृष्टि प्राप्त करने पर प्रकाश डाला जायेगा। पहला पृष्ठ पढ़कर २० रुपया भेजकर आज ही सोसायटी के मेम्बर बनकर यह सब लाभ प्राप्त करें। अपने दो प्रश्न भी लिखकर भेज दें ताकि चिकित्सक में उनका उत्तर छाप दिया जाये।

योरुप में बनफशा का प्रयोग

योरुप के प्रसिद्ध Herbalist (जड़ी बूटियों से इलाज करने वाले) श्री डेविड कोनवे ने मैजिक आफ हर्बस (जड़ी बूटियों का जादू) लंदन में प्रकाशित की है। जिसमें उन्होंने बनफशा पर अनुसन्धान करके उससे विभिन्न रोग दूर करने का वृतान्त लिखा है। जिसका सारांश यहां प्रकाशित किया जा रहा है। बनफशा (वायलेट) के फूल और पत्ते युनानी हकीम सैकड़ों वर्षों से दवा के रूप में प्रयोग कर रहे हैं। परन्तु इस चमत्कारी दवा के लाभों से भली भांति परिचित नहीं हैं। यह पौधा नदियों, पहाड़ों, जंगलों में आधा छुपा हुआ रहता और स्वयं पैदा हो जाता है। इसके पत्ते हृदय के

आकार जैसे होते और बसन्त में इन पर सफेद, या हल्के नीले फूल लगते हैं। बनफशा शरीर की रसूलियों, रेत, गिल्हड़, फोड़ों की सफल दवा है। इस को खिलाने के साथ ही सूजन, रसूलियों पर इसकी गर्म २ पुल्टिस बांधने से यह भयानक रोग दूर हो जाते हैं। बनफशा स्नायु और मस्तिष्क की उत्तेजना को दूर करता और अक्ल व स्मरण शक्ति को बढ़ाता है। हृदय को शक्ति देता, न्यूमोनिया, प्लियूरिसी, खांसी, गले की सूजन, खांसी को दूर करता, जमी बलगम को पतला करके निकालता है। स्विज़रलैन्ड में इसको दिल का दर्द दूर करने के लिये प्रयोग किया जा रहा है।

बनफशा गले, छाती की खराश, सूजन, दर्द और कब्ज को दूर करता है। नींद लाता, ज्वर, नजला, जुकाम, पसली का दर्द, टान्सिल सूज जाने की सफल दवा है। दो माशा दवा को रात को पानी में भिगो ढक कर रख दें या मौसम के अनुसार इसका क्वाथ बनाकर पिलायें इसकी पुल्टिस बना कर गले, रसूली, गिल्हड़, सूजन पर गर्म २ टकोर करके बांध दें। बनफशा की गर्म पुल्टिस गले पर बांधने और इसका क्वाथ पिलाने से मुंह व गले के कैन्सर की सख्त दर्द दूर हो जाती है। निरन्तर प्रयोग से कैन्सर, रसूलियां, गिल्हड़ और दूसरे भयानक रोग दूर हो जाते हैं। सन् १९५९ से चिकित्सक हजारों वैद्यों, डाक्टरों और पढ़े लिखों को डाक्टरी, आयुर्वेद सिखा रहा है। आप एक ही वर्ष में इस पत्रिका को पढ़कर मेडिकल कालेज से पास डाक्टर के बराबर योग्यता प्राप्त कर सकते हैं। पहला पृष्ठ पढ़कर आज ही मेम्बर बन जायें।

सैक्स सम्बन्धी हिन्दी पुस्तकें

पुस्तक	मूल्य
पुरुष रोग चिकित्सा	७.००
नपुन्सक चिकित्सा	२.५०
सैक्स पावर	१०.००
सैक्स क्या है ?	३.००
प्रेम, सैक्स और विवाह	३.००
सैक्स की १०१ समस्यायें	४.००
योग और सैक्स	४.००
स्तन सौन्दर्य कैसे बढ़ायें	४.५०
नर, नारी यौन विज्ञान	५.००
कामसूत्र	८.७५
कामसूत्र वात्स्यायन	३.००
वात्स्यायन का कामसूत्र	४.००
नपुन्सक चिकित्सा	८.७५
यौवन विज्ञान पर नया प्रकाश	४.००
पति कैसा हो	५.७५
पत्नी कैसी हो	५.७५
शीघ्रपतन	१.५०
ब्रह्मचर्य की प्रचन्ड शक्ति	३.००
सन्तति निरोध	६.००
स्वप्नदोष	२.५०
प्रदर रोग	२.००
जननेन्द्रिय रोग	३.००
नर-नारी	८.००
नपुन्सकता	३.००
कामशक्ति वर्द्धक औषधियां	२.५०
कामशक्ति कैसे बढ़ायें	४.००
सम्भोग कला	५.००
सैक्स और मानव	४.००

काशी में छपी एलोपैथिक पुस्तकें

बड़ी पुस्तकों के पेज भी लिख दिये गये हैं

पुस्तक	मूल्य
डा० सुरेश प्रसाद—इन्जेक्शन (९१६)	२०.००
एलोपैथिक चिकित्सा (११७६)	२५.००
एलोपैथिक पाकेट गाईड	६.००
डा० शिव दयाल—एलोपैथिक मेटेरिया मेडिका (११४०)	३०.००
नेत्र रोग विज्ञान (७७०)	९.००
धात्री विज्ञान	४.००
मल, मूत्र, रक्त आदि परीक्षा	६.००
सफल एलोपैथिक औषधियां	४.५०
सर्जरी—आपरेशन	१४.००
एलोपैथिक पेटेण्ट मेडिसिन्स	१०.००
एलोपैथिक पेटेण्ट चिकित्सा	४.५०
डा० केशवानन्द—माडर्न डायग्नोसिस (९२०)	१८.००
माडर्न ट्रीटमेंट प्रथम भाग	२०.००
दूसरा भाग	२०.००
स्त्री रोगों की आधुनिक चिकित्सा (११५०)	२२.००

मेडिकल हाउस ३६५६ कुतब रोड, देहली—६

डा० प्रिय कुमार की पुस्तकें

चर्म रोगों की चिकित्सा ३.५०
संकटकालीन चिकित्सा ६.००
नासा, गला, कर्ण रोग चिकित्सा ६.५०
सल्फोनेमाइड्स, एण्टी बायोटिक्स २.५०
कम्पाउन्ड्री शिक्षा (४२०) ८.००
सरल दंत चिकित्सा ३.५०
माडर्न एलोपैथिक मेटेरिया मेडिका (६३०) ११.००
शरीर रचना एवं क्रिया विज्ञान ६.००
सरल आधुनिक औषधियां (३७५) ५.५०
अभिनव शवच्छेद विज्ञान—डाक्टर हर स्वरूप, प्रोफेसर बनारस हिन्दू युनिवर्सिटी—मुर्दों की चीर फाड़ करना सचित्र (८८६) दो भाग २२.००

डा० वर्मा की एलोपैथिक पुस्तकें

वर्मा एलोपैथिक गाईड (७५२) २०.००
वर्मा एलोपैथिक चिकित्सा ३०.००
वर्मा एलोपैथिक मेटेरिया मेडिका (निघन्टू) (८६४) १५.००

बिजली स इलाज करें

बहुत सुन्दर बक्स में बन्द इस मशीन में बैट्री के दो सैल डालने पर बिजली पैदा होने लग जाती है। इस मशीन के धात के हैन्डल रोगी की मुट्ठी में दबाकर मशीन चलाने पर बिजली की करन्ट निकलकर तमाम शरीर में पहुँच जाती है। इससे आप पक्षाघात, लकवा, शारीरिक कमजोरी, थकावट, सांप, बिच्छू काट लेना, स्त्री का प्रदर बंद हो जाना, जोड़ों की शोथ व दर्द, वात की दर्दें, अगों में ऐन्ठन और झटके लगना, पोलियो, घड़ मारा जाना, विष खा लेना, नपुन्सकता, मर्दाना कमजोरी के दोष और पचासों दूसरे रोगों की चिकित्सा करके १-१ रोगी से २-३ रुपया प्राप्त कर सकते हैं। दर्दें, सांप काट लेने, जोड़ सूज जाने, उनमें दर्द होने पर इस मशीन के हैन्डल कष्ट के स्थान पर ५-१० मिनट फेरते रहने से दर्द और कष्ट तुरन्त दूर हो जाते हैं मूल्य ५५ रुपया। बिजली तथा सैलों से चलने वाली बड़ी मशीन ११० रुपया। सेल्ज टैक्स व डाकखर्च १८ रुपया पृथक होगा।

बीसियों रोग दूर करने वाली हानिरहित दवायें

यीस्ट (Yeast)

भूरा कणों वाला पाउडर, विशेष प्रकार की बू आती है। इस साधारण दवा और खाद्य में विटामिन बी[1], विटामिन बी[2], बी[6], नियासिन, कोलीन, इनोसिटोल, पेन्टोथैनिक एसिड, फोलिक एसिड, बाईयोटिन और पावा विटामिन बी के सब अंश बहुत अधिक मात्रा में होने के अतिरिक्त मनुष्य शरीर को जितने खनिज अंशों की जरूरत हैं पाये जाते हैं। इसलिये इसको चमत्कारी खाद्य समझा जाने लगा है। रोगियों को इसकी टिकियां और पाउडर प्रतिदिन खिलाकर काफी रोग दूर किये जा सकते और मनुष्य की आयु तक बढ़ाई जा सकती है। इसलिये योरुप और अमेरिका और दूसरे सब देशों में इसको रोगियों और मनुष्यों को बहुत खिलाया जाता है। लाभकारी होने के कारण इसका वृतान्त विस्तार से लिखा जा रहा है।

यीस्ट बीसियों रोग दूर करने और शक्ति देने वाली दवा है। इससे आप अनेकों रोग दूर कर सकते, रोगियों और बूढ़ों को ताकतवर बना सकते हैं। कैमिस्टों के यहां इसकी टिकियां बिकती हैं परन्तु इसको पाउडर के रूप में २–४ किलो खरीदने पर यह दवा बहुत ही सस्ती पड़ती और Brewer's Yeast के नाम से खरीदी जा सकती है। कई प्रकार के विटामिन बी, शक्ति देने वाली प्रोटीन अनेक अमीनो एसिड्ज, लोहा, सोना, चांदी, आईयोडीन, फासफोरस, पोटाशियम, मैगनेशिया, कैलशियम, तांबा और कई आवश्यक खनिज पदार्थ जो ताकतवर, स्वस्थ बनाये रखने के लिये जरूरी हैं। इसमें पाये जाते हैं। इसलिये आजकल इसको चमत्कारी दवा समझा जाने लगा है।

यह बी कम्पलेक्स और प्रोटीन वाली सबसे सस्ती अधिक प्रभावशाली दवा और खाद्य है। मनुष्य को ५५ विभिन्न प्रकार के पदार्थों की जरूरत है। जिनमें से अधिकतर यीस्ट में होते हैं।

अमेरिका के कैटरिंग (Kettering) इन्स्टीट्यूट ...

पर अनुभव करने से पता चला है कि यीस्ट यकृत के कैन्सर को दूर करने में बहुत ही अनुभूत दवा है। यकृत की सक्रामक शोथ (Infectious Hepatitis) के एक हजार रोगी यीस्ट से जादू की भांति स्वस्थ होने लग गये। इनमें से कई तो ६ मास से वर्षों तक सरकारी हस्पतालों और प्रसिद्ध एलोपैथिक डाक्टरों तक से भी ठीक नहीं हो सके थे। इस दवा से उनका यकृत बिल्कुल स्वस्थ हो गया और दोबारा यह रोग नहीं हुआ।

अमेरिका के डा० बिकनैल और प्रैसकाट लिखते हैं कि बुढ़ापे में पागल हो जाने पर यह दवा बहुत ही चमत्कारी है। इससे पागलखानों में रहने वाले हजारों पागल जब उनको अधिक मात्रा में यीस्ट, वीट जर्म और विटामिन बी खिलाई गई तो २५ से ५० घन्टों में ऐसे पागलों की अवस्था में सुधार होने लग गया।

डा० लेस्टर मोरीसन इसको विटामिन बी की कमी को दूर करने के लिए हृदय रोगों में ग्रस्त रोगियों को सफलता से देते रहे।

डा० जैरोम मार्क्स एम्० डी० इसको कब्ज दूर करने के लिये रोगियों को खिलाते हैं। डा० ऐडले डेविड मोटे व्यक्तियों का वजन घटाने के लिये खिलाते हैं। अमेरिका के स्टेट हास्पिटल में रोगियों में विटामिनों की कमी को दूर करने के लिये यीस्ट खिलाई जाती है। जिससे उनकी बदहज्मी, भूख न लगना, चेहरे और शरीर पर झुर्रियां पड़ जाना, रक्त संचार भली प्रकार न हो सकना तुरन्त दूर होने लग जाते हैं। बूढ़ों और बड़ी आयु के रोगियों तक को आश्चर्यजनक लाभ होता है।

२३ वर्ष से ४० वर्ष के दस मनुष्यों को विटामिन रहित भोजन जैसे डबल रोटी, बिस्कुट, चावल, आईस क्रीम आदि खिलाये जाते रहे। उनको सप्ताह में दो बार थोड़ा मांस और मच्छली भी खिलाई जाती। उनसे दिन भर कठोर परिश्रम कराया जाता। एक सप्ताह में ही १० व्यक्तियों में निम्न कष्ट प्रकट हो गये।

सुस्ती, थकावट, पट्ठों और जोड़ों में दर्द, भली प्रकार काम न कर सकना, भूख न लगना, चिड़चिड़ापन, कब्ज आदि रोग हो गये। उनको यीस्ट खिलाने के ४८ घन्टे के अन्दर उनके यह सब कष्ट दूर हो गये और वह नई शक्ति प्रतीत करने लग गये।

डाक्टर Muir कुष्ठ (कोढ़) के रोगियों को विटामिन की कमी को दूर करने के लिये यीस्ट खिलाते रहे। इससे उनके कुष्ठ को लाभ तो न हुआ परन्तु उनकी भूख इतनी बढ़ गई कि वह अधिक भोजन खाने को मांगते। नाईजेरिया के पागलखानों में पागलों में विटामिन बी की कमी को दूर करने के लिये ७ ग्राम यीस्ट प्रतिदिन खिलाया जाता रहा। जिससे १½–२ मास में उनका पागलपन काफी कम हो गया।

बच्चों को भूख कम लगने पर उनको दूध में मिलाकर खिलाते रहने से उनकी भूख, वजन, शारीरिक और मानसिक शक्ति बढ़ जाती है।

पुराने एक्ज़ीमा, फोड़े, फुन्सी, खुजली, कील मुहासे और दूसरे चर्म रोग होने पर रोगी को प्रतिदिन यीस्ट खिलाते रहने से उनके यह सब चर्म रोग दूर हो जाते और शरीर कुन्दन की भांति साफ और सुन्दर हो जाता है।

काम करने के बाद थकावट प्रतीत होने पर या थोड़ा काम करने से थक जाने पर यीस्ट खिला देने से थकावट दूर हो जाती है।

समय से पहले बाल सफेद हो जाने पर रोगी को यीस्ट और मीठी दही प्रतिदिन बार २ खिलाते रहने से बाल दोबारा काले पैदा होने लग जाते। बाल मुलायम, लचकदार, चमकीले और लम्बे पैदा होते हैं। कई मास तक यीस्ट और दही खानी जरूरी है।

प्राचीन काल में यूनान निवासी इसको रक्त को शुद्ध करने और चर्म रोग दूर करने के लिये खाया करते थे। प्लेग में इसको खिलाया जाता था जिससे हज़ारों रोगी प्लेग से मरने से बच गये।

लोग मांस, मच्छली, अन्डे, मक्खन, पनीर खाते हैं क्योंकि इनमें प्रोटीन अधिक मात्रा में होती है। प्रोटीन ही शरीर को ताकत देती, शरीर में सैलों को पैदा करती और उनमें नया जीवन पैदा करती हैं। यीस्ट में प्रोटीन अन्डे से कुछ कम होती है। इसमें यह विशेषता है कि यह मांस, अन्डे, दूध आदि से बहुत ही सस्ती है। प्रोटीन के अतिरिक्त शरीर को ताकतवर बनाने वाले कई दूसरे अंश भी होते हैं जो मांस तथा अन्डों में नहीं होते। गरीब लोग मांस नहीं खा सकते परन्तु यीस्ट प्रतिदिन खाकर अपने शरीर को ताकतवर बना सकते हैं।

यीस्ट मनुष्यों में नई सैलें पैदा करती, कट जाने, जल जाने से पैदा हुये

घावों को शीघ्र भर देती है। मसूड़े सूज जाने, उनसे पीप और रक्त आने पर यीस्ट खिलाते रहने से यह कष्ट दूर हो जाते हैं। इसके प्रयोग से पाचनांगों में शक्ति आकर कब्ज़ दूर हो जाती है। दस्त आने भी रुक जाते हैं। पुरानी कब्ज एक दो सप्ताह में दूर हो जाती है। बाद में पाखाना प्राकृतिक रूप में यीस्ट न खाने पर भी आने लग जाता है।

लन्दन की प्रसिद्ध डाक्टरी पत्रिका Lancet ८ अक्तूबर १९३२ में डा० गुडाल ने एक लेख प्रकाशित कराया कि यीस्ट कई बार घातक रक्त अल्पता तक को भी दूर कर देता है। इसमें खमीर पैदा होने के कारण यह कीटाणु नाशक गुण रखती है। इसलिए घावों, कील, मुहासों पर पानी में लेप बना कर लगाते रहने से घाव भर जाते हैं।

मात्रा—यीस्ट का पाउडर १–२ छोटे चम्मच दूध, फलों के रस, दही या पानी के साथ दिन में ३–४ बार खिलाना काफी है। शुरू में कम मात्रा में दें। बहुत अधिक मात्रा में खाने पर रोगी को लाभ की बजाये हानि भी पहुँच सकती है या इसकी ६ टिकियां वयस्कों और २–३ टिकियां बच्चों को पीसकर दूध या किसी पेय में मिलाकर दिन में ३–४ बार खिला सकते हैं। कैमिस्टों से खरीदने पर एक पैसे में एक टिकिया मिल जाती है। पाउडर इकट्ठा खरीदने पर अधिक सस्ता पड़ता है। आयु पर्यन्त खाते रहने से भी हानि नहीं पहुँचती।

मिल्क शूगर (लैक्टोज़) दूध का पनीर बनाने के बाद जो पानी बचता है। हालैण्ड में उससे मिल्क शूगर बना ली जाती है। मिल्क शूगर कमजोर मनुष्यों को ताकतवर बनाती है। जिन बच्चों को गाय का दूध नहीं पचता, मिल्क शूगर उबलते पानी में मिलाकर पिलाते रहने से ऐसे दूध पीते बच्चों का अजीर्ण, दस्त आना, पेट फूल जाना, वायु पैदा होना के रोग दूर हो जाते हैं। वयस्क मनुष्य जिनका आमाशय और अन्तड़ियां कमजोर हों जिनके पेट में गैस अधिक पैदा होती है। इसको चाय या गर्म पानी में १–२ चम्मच डालकर पिलाते रहने से वायु पैदा होनी, पेट फूलना आदि दूर हो जाते और वजन बढ़ जाता है। एक औंस मिल्क शूगर दूध या चाय में मिलाकर प्रातः समय पिलाने से कब्ज दूर हो जाती और मल बिना कष्ट आ जाता है। मल व वायु में बदबू आनी दूर हो जाती है। भोजन से एक घन्टे पहले गर्म या ताजा पानी में घोलकर २ से ४ छोटे चम्मच पी सकते हैं।

डा० हरनारायण कोकचा की पुस्तकें

(१) आधुनिक एलोपैथिक गाईड—मनुष्य शरीर की रचना, रोगी परीक्षा, कीटाणु व संक्रमण नाशक दवायें, संक्रामक रोग, कम्पाउन्ड्री शिक्षा, आपरेशन करना, फर्स्ट ऐड, ६२४ विभिन्न रोगों की चिकित्सा, विष विज्ञान, पेटेन्ट दवायें, प्रमुख रोग और उनकी नवीन चिकित्सा ७८४ बड़े पृष्ठ ३६.०० ।

(२) एलोपैथिक पेटेन्ट चिकित्सा विश्वकोष—मनुष्य रोगों के लक्षण, कारण, एलोपैथिक पेटेन्ट दवाओं से चिकित्सा, ३४.७५ ।

(३) एलोपैथिक इन्जेक्शन चिकित्सा विश्वकोष—तमाम रोगों की इन्जेक्शनों से चिकित्सा, १९.७५ ।

(४) अपटूडेट एलोपैथिक पेटेन्ट मेडिसन—पेटेन्ट दवाओं, टिकियों, कैपसूल, पीने की दवाओं, बाहरी प्रयोग की हजारों दवाओं से मनुष्य रोगों की चिकित्सा, १७.७५ ।

(५) निदान विश्वकोष—रोगी और रोगों का निरीक्षण, नाड़ी परीक्षा, स्टेथस्कोप परीक्षा, मल, मूत्र, कफ, रक्त आदि की परीक्षा, वीर्य, प्रदर परीक्षा का वृतान्त १७.७५ ।

(६) अपटूडेट एलोपैथिक पेटेन्ट टेबलेट विश्वकोष—तमाम रोगों क टिकियों, कैपसूल से चिकित्सा, १७.७५ ।

(७) अनुभव के मोती—तमाम रोगों के अनुभूत मिक्सचरों के योग, लाभी मात्रा और रोगों की चिकित्सा, १२.७५ ।

(८) आधुनिक एलोपैथिक इन्जेक्शन बुक ९.०० । अपटूडेट कुशल कम्पाउन्डर गाईड ९.०० । आधुनिक एलोपैथिक पेटेन्ट चिकित्सा ९.०० माडर्न डायग्नोसिस (एलोपैथिक ट्रीटमेण्ट) १८.०० । एलोपैथिक मेटेरिया मेडिका १८.०० । माडर्न एलोपैथिक शास्त्र २७.०० ।

मेडिकल हाउस ३६५६ कुतब रोड, देहली–६

आपके प्रश्नों के उत्तर

हर एक मेम्बर अपने २ प्रश्नों के उत्तर अपने प्रमाण-पत्र का नम्बर लिखकर उनके उत्तर चिकित्सक में मुफ्त प्रकाशित करा सकता है। हर सवाल का जवाब देने का पूरा यत्न किया जायेगा परन्तु किसी प्रश्न का जवाब यत्न करने पर भी न मिलने पर सम्पादक बाध्य नहीं है। देश के कोने कोने से ग्राहकों की चिट्ठियों के प्रश्नों का उत्तर प्रकाशित किये जाते है। पहले पृष्ठ को पढ़कर मेम्बर बनकर प्रश्न लिखकर भेज दें।

(१) मर्दाना कमजोरी को दूर करने, स्वप्न दोष, वीर्य प्रमेह और इन्द्री दोषों में निम्न दवाओं से लाभ उठा सकते हैं। अश्वगन्धा टिंक्चर ५–१० बूंद थोड़े ताजा पानी में मिलाकर दिन में ३ बार पीते रहें या हिमालया ड्रग कम्पनी की बनी Speman Forte की १–२ टिकियां दिन में तीन बार १–२ महीने तक खाते रहें। इससे मूत्र और मल के समय वीर्य निकलना, हस्तमैथुन के बुरे प्रभाव, बुढ़ापे में सम्भोग न कर सकना और दूसरी मर्दाना कमजोरियां दूर हो जाती हैं। पुरुष इन्द्री की कमजोरी, टेढ़ापन, छोटा होना, उत्तेजना पैदा न होने के लिये इसी फर्म की बनी हिमकोलिन क्रीम दिन में १–२ बार इन्द्री पर मालिश करते रहें। "पुरुष गुप्त रोग चिकित्सा" में सैकड़ों एलोपैथिक, आयुर्वेदिक, होमियोपैथिक, युनानी नुस्खे, साधुओं सन्यासियों की दवाओं के नुस्खे व इन्जेक्शन लिखे गये हैं जिनसे रोगी और चिकित्सक इन रोगों का इलाज सफलता से कर सकते हैं। मूल्य ७ रुपया।

(२) मोतिया शुरू हो जाने पर सिनेरेरिया मेरीटीमा १–२ बूंद आंखों में डालते रहने से दृष्टि तेज हो जाती और मोतिया उतरना रुक जाता है। धुंध और आंखों के रोग दूर हो जाते हैं। कैटालिन (Catalin) जापान की बनी यह दवा भी मोतिया को दूर करने में बहुत ही लाभकारी है। दिन में ३–४ बार आंखों में डालते रहें। मोतियाबिन्द बिना आपरेशन दूर करना रोके उतारना, दृष्टि तेज करना, हिन्दी पुस्तक मूल्य ३ रुपया पढ़कर आप आंखों के यह रोग स्वयं दूर कर सकते है।

(३) एन्टी सैप्टिक (Antiseptic) एलोपैथी की सबसे पुरानी अंग्रेजी मासिक पत्रिका है जो १९०४ से प्रकाशित हो रही है। इसमें मेडिकल कालेजों और भारत के बड़े बड़े डाक्टरों के एलोपैथिक लेख प्रकाशित होते हैं। इसके स्थायी ग्राहक बनकर आप एलोपैथी की योग्यता मेडिकल कालेज से पास डाक्टर के बराबर बढ़ा सकते है। हर महीने ६४ बड़े पृष्ठों में छपती है। ३० रुपया वार्षिक शुल्क हमें मनीआर्डर भेज दें। आपके पते पर एक वर्ष तक यह पत्रिका पहुंचती रहेगी। नमूना के लिये कोई पुरानी पत्रिका ५ रुपया मनीआर्डर भेज कर मंगवा लें।

(४) आप हिन्दी महा सम्मेलन प्रयाग की परीक्षा पास करके आयुर्वेद की पुस्तकें घर बैठे पढ़कर रजिस्टर्ड वैद्य बन सकते है। परीक्षायें शीघ्र होने वाली हैं। वैद्य बिशारद गाईड पहला भाग २०रुपया, दूसरा भाग २० रुपया आयुर्वेद रत्न गाईड पहला भाग २५ रुपया, दूसरा भाग २५ रुपया। उपवैद्य गाईड १२ रुपया पढ़कर यह परीक्षायें सफलतापूर्वक पास कर सकते हैं।

(५) डाक्टर, वैद्य और रजिस्टर्ड मेडिकल प्रैक्टिशनर्स प्रसिद्ध एलोपैथिक दवायें बनाने वाली कम्पनियों को अपने लैटर फार्म पर चिट्ठी टाईप करके भेज दें। यह फर्में आपको अपनी पेटेन्ट दवाओं से इलाज करने की पुस्तकें और लिटरेचर मुफ्त भेजती रहेंगी जिनको पढ़कर आप योग्य डाक्टर बन सकते हैं। भारत की कुछ फर्मों के पते नीचे लिखे जाते है। ग्लैक्सो लेबोरेटीज, डाक्टर एनी वेसन्ट रोड वोरली बम्बई (२) बोहरिंगर नोल लिमिटेड फिरोजशाह महेता रोड, बम्बई (३)मे एन्ड बेकर लिमिटेड फिरोजशाह महेता रोड, बम्बई (४) सैन्डोज इन्डिया लिमिटेड वोरलो, बम्बई। बाकी प्रसिद्ध फर्मों के पते अगले महीने प्रकाशित होंगे।

(६) रुदाक्ष का वृक्ष हिमालया के पहाड़ों में होता है। इस वृक्ष के फल में भगवान शिवजी महाराज ने कोई ऐसी शक्ति भर दी है कि भारत और विदेशों के करोड़ों लोग इसकी माला का जाप करके, इसको पहन कर हर प्रकार की मनोकामनायें पूरी कर रहे है। ईश्वर को प्राप्त करने, मन की शान्ति, एकाग्रता, योग, आध्यात्मिक विद्या में सफलता प्राप्त करने, हाई ब्लड प्रैशर, नींद न आना, हृदय व फेफड़ों के रोगों को दूर करने, ग्रहों

बुरे प्रभावों से बचने, गरीबी, कंगाली दूर करने, धन कमाने और अपनी मनोकामनाओं में सफलता प्राप्त करने के लिये उससे जाप करो इसको पहने या इसके ५ फल रात को पानी में भिगोकर प्रात:समय यह पानी पी लेने से ऊपर लिखी इच्छायें पूरी कर सकते हैं। रुद्राक्ष की मालायें एक ऐसा उपहार हैं जिससे आपको हर उद्देश्य में सफलता मिल सकती है। बारीक मनकों की माला बड़ी कठिनाई से २–३ सौ रुपया में मिलती और बहुत प्रभावशाली होती है। मोटे मनकों की माला ४० रुपया में मिल जाती है। एक माला आयु पर्यन्त लाभकारी सिद्ध होती है। इनसे आप अपनी ऊपर लिखी मनोकामनायें, रोग दूर कर सकते हैं।

(७) हर प्रकार के कैपसूल थोक से मंगवाने के लिये एसोशियेटेड कैपसूल्ज ग्रुप, कांडीवी वेस्ट, बम्बई ६७।

(८) पैरन्डरेन Perandren (निर्माता सिबा) इस दवा के इन्जेक्शन, छोटी २ टिकियां और मरहम मिलती है। यह दवा नर भेड़ के खसियों के हारमोन से बनाई गई है। मर्दों में नपुन्सकता, शीघ्रपतन, बुढ़ापे में सम्भोग न कर सकना, वीर्य में वीर्यकीट कमजोर होना, मर्दाना इन्द्री व खसिये बहुत छोटे होना, हीजड़ापन दूर करने के लिये संसार के तमाम देशों में प्रयोग की जा रही है। इन्जेक्शन लगाने के लिये एक मिलीलिटर के एम्पूल, ५–२५·५० मिलीग्राम की खाने की टिकियां और मर्दाना इन्द्री छोटी और कमजोर होने सम्भोग न कर सकने के लिये इसकी मरहम की मालिश की जाती है। रोग अधिक होने पर शुरू में इन्जेक्शन लगायें, बाद में रोग की कमी या अधिकता अनुसार छोटी या बड़ी टिकियां दिन में २–३ बार खिलायें। पैंकिंग में प्रयोग विधि साथ होती है।

(९) आप छोटे ग्राम में डाक्टरी और आयुर्वेद का काम करने के साथ ही गाय भैंस, ऊंट, घोड़े, मुर्गियों और पशुओं का इलाज करके हर महीने कई सौ रुपया कमा सकते। भारत सरकार की प्रकाशित पुस्तक **पशु आयुर्विज्ञान** सचित्र ८६९ बड़े पृष्ठ सजिल्द मूल्य ३० रुपया को पढ़कर पशुओं के सफल डाक्टर बन सकते है।

(१०) एलोपैथी में एम० बी० बी० एस० डाक्टर के बराबर योग्यता प्राप्त करने के लिये आप लंदन में छपी अंग्रेजी पुस्तक Price's Text Book of Practice of Medicine ११वां संस्करण १४०० बहुत बड़े पृष्ठ मूल्य ६० रुपया को पढ़कर आप मेडिकल कालेज से पास डाक्टर के बराबर योग्यता पैदा कर सकते है।

होमियोपैथिक की प्रमाणित पुस्तकें

(१) होमियोपैथिक मेटेरिया मेडिका रेपर्टरी सहित—डा० विलियम बोरिक एम० डी० । १४३५ पृष्ठ सजिल्द । ३०.००

(२) होमियोपैथिक रेपर्टरी डा० बोरिक—लक्षणों को देखकर उचित दवा देना, ५७० पृष्ठ । १०.००

(३) डा० फेरिंगटन तुलनामूलक मेटेरिया मेडिका ४१६ पृष्ठ, १०.००

(४) भार पार्टी ईयर्स प्रैक्टिस—डा० भार के ४० वर्ष के अनुभवों की दवायें, ४४० पृष्ठ । १०.००

(५) डा० एलेन्स की नोट्स—प्रधान होमियोपैथिक दवाओं के सूत्र तथा तुलना अध्ययन । डा० एलेन एम० डी०, ४८० पृष्ठ । ६.५०

(६) लीडर्स इन होमियोपैथिक थैराप्यूटिक्स—डा० नैश एम० डी० होमियोपैथिक दवाओं के मुख्य लक्षण, ५१० पृष्ठ । ८.००

(७) होमियोपैथिक बाल रोग चिकित्सा—डा० चार्ल्स फिशर एम० डी० बच्चों के रोगों की होमियोपैथिक चिकित्सा । ४.५०

(८) रीजनल लीडर्स डा० नैश एम० डी०—रोगों के मुख्य लक्षण देखकर दवा का चुनाव । २.७५

(९) होमियोपैथिक पारिवारिक चिकित्सा—अपनी और अपने सम्बन्धियों के रोगों की चिकित्सा, १४५० पृष्ठ । २५.००

(१०) स्त्री रोग चिकित्सा—सचित्र ४०० पृष्ठ । ७.००

(११) आर्गेनन डा० हानेमन । ६.५०

(१२) होमियोपैथिक भैषज्य सार—होमियोपैथिक, बायोकैमिक दवाओं के मुख्य लक्षण व रोगों में प्रयोग । ३.००

(१३) होमियोपैथिक इन्जेक्शन चिकित्सा । ३.००

(१४) ,, मदर टिंक्चरों का मेटेरिया मेडिका । ५.००

(१५) ,, मेटेरिया मेडिका, ४३५ पृष्ठ । ६.५०

मेडिकल हाउस ३६५६ कुतब रोड, देहली–६

होमियो शिशु चिकित्सा	१.००
होमियो पाकेट गाईड २०० पेज	१.५०
होमियो थाईसिस (क्षय)	१.००
होमियो पशु चिकित्सा	२.७५
बायोकैमिक पाकेट गाईड	१.५०
नाड़ी रहस्य	१.००
जल चिकित्सा विधान	३.००
आयुर्वेदिक घरेलू चिकित्सा	२.५०
वैद्यक न्यायशास्त्र एवं विष विज्ञान का सरल अध्ययन	८.५०
पोटेंसी निर्णय	२.००
औषधियों का परस्पर सम्बन्ध	१.५०
रोगी की शारीरिक जांच	३.००
होमियोपैथिक मेटेरिया मेडिका का प्रारम्भिक अध्ययन कैसे करें	३.००
होमियोपैथिक फार्मेसी का आवश्यक ज्ञान	३.५०
नेत्र रोगों की होमियोपैथिक चिकित्सा	२.५०
दमा की चिकित्सा	२.००
होमियो भैषज विज्ञान	५.००
पेट के रोगों की होमियोपैथिक चिकित्सा	२.५०
होमियो टाईफायड चिकित्सा	१.००
होमियो न्यूमोनिया चिकित्सा	१.००
वात, गठिया, लकवा चिकित्सा	१.००
बाहरी प्रयोग की होमियो दवायें	१.२५
बायोकैमिक रेपर्टरी	५.००
आयुर्वेदिक विज्ञान ४०० पृष्ठ	४.००
वृक्ष विज्ञान चिकित्सा	३.००
नीम चिकित्सा विधान	१.००
मवेशियों की घरेलू चिकित्सा	२.००
मलेरिया, कालाज़ार चिकित्सा	३.००
मधुमेह चिकित्सा	३.५०
आर्गेनन पथ प्रदर्शक	४.५०
मेटेरिया मेडिका	१२.००
१४० होमियोपैथिक औषधियों के ७३० प्रमुख लक्षण	३.००
उग्र रोगों तथा जख्मों की विशिष्ट होमियोपैथिक औषधियां	२.००
रोगों का व्यापक ज्ञान और उनकी होमियोपैथिक चिकित्सा	५.५०
रोगवृत्त विधान एवं सदृशतम औषधि का चुनाव	२.००
होमियोपैथिक घरेलू चिकित्सा	२.००
बायोकैमिक घरेलू चिकित्सा	२.००
चर्म रोगों की होमियो० चिकित्सा	२.००
बाल रोग होमियो० चिकित्सा	४.५०
कटि-वेदना (कमर दर्द)	०.७०
दैनिक होमियो चिकित्सा शास्त्र	६.५०

प्याज से बीसियों रोगों का इलाज

प्याज को बदबू के कारण काफी लोग इसको प्रयोग नहीं करते। परन्तु प्याज में कई रोगों के कीटाणुओं को नष्ट करने और काफी रोग दूर करने के विशेष गुण हैं। यूनानी पुस्तकों में मर्दाना शक्ति प्राप्त करने के लिये निम्न योग की बहुत प्रशंसा की गई है।

एक अन्डे का पीला और सफेद तरल एक कप में डाल लें। अब इस खाली अन्डे में प्याज का रस, गाजर का रस, मधु, बारी २ में भरकर इस कप में डालें और भली प्रकार फैंटकर नाश्ते से पहले और शाम को पी लिया करें। यह योग शारीरिक, मानसिक और मर्दाना शक्ति के लिये बड़े बड़े इन्जेक्शनों और पेटेन्ट ड्रग्ज से भी अधिक लाभदायक है और निरन्तर पीते रहने से शरीर में नई शक्ति उत्पन्न हो जाती है। प्याज में विटामिन सी, लोहा, गन्धक और तांबा पर्याप्त मात्रा में पाये जाते हैं।

यदि आपको नींद नहीं आती तो आप प्याज को गर्म राख में पकाकर बिना नमक मिलाये रात को सोते समय खायें। अत्यन्त स्वादिष्ट, मीठी और शान्तिदायक दवा है, बू भी नहीं आयेगी, प्याज को काटकर उसमें टमाटर मिलाकर कुछ देर तक पड़ा रहने दें। बाद में कच्चा ही खा लें। प्याज का रस ३–४ चम्मच प्रतिदिन पी सकते हैं।

वह व्यक्ति जिनमें रक्त की कमी है। प्याज का रस पीकर या कच्चा खाकर रक्त बढ़ा सकते हैं। क्योंकि प्याज में लोहा काफी मात्रा में होता है।

जुकाम, क्षय रोग, पेट में पानी पड़ जाने पर प्याज बहुत लाभ पहुंचाता है। प्याज में विटामिन सी, लोहा, गन्धक, तांबे जैसे बहुमूल्य खनिज पाये जाने के कारण प्याज और रस दोनों पाचन अंगों में उत्तेजना उत्पन्न करते हैं। इससे भूख लगने लगती है और भोजन शरीरांश बन जाता है।

कच्चा सफेद प्याज लाल प्याज की अपेक्षा अधिक उपयोगी है। इसके निरन्तर प्रयोग से नेत्रों की दृष्टि बढ़ जाती है। रस को आंखों में डालते रहने से धुंध, जाला, गुबार और मोतिया बिन्द तक दूर हो जाता है। अत्यन्त अनुभूत औषधि है। दिल्ली के एक हकीम सफेद प्याज के रस से

आंखों की दवा तैयार करके उसकी हजारों शीशियां प्रति मास बेच लेते हैं।

अंजनहारी निकलने पर प्याज का रस मल देने से उसका बढ़ना रुक जाता है। इसको आग में भूनकर और रगड़कर गर्म २ शोथ और फोड़ों पर बांधने से शोथ, जलन, दर्द आदि को आराम आ जाता है। फोड़ा फट जाता और घाव शीघ्र भर जाता है। संक्रमण का भय भी नहीं रहता।

फ्रांस में मिर्गी के रोगियों को प्याज का रस पिलाया जाता है। प्याज के रस को थोड़ा गर्म करके ५-७ बूंद कान में डालने से कान दर्द, कान से पीप आना, कान में शायें शायें होने के लिये अनुभूत है। रोगी के पट्ठों में ऐन्ठन होने और झटके लगने पर इसके गर्म २ रस से पांव के तलुओं पर मालिश करने से आराम आ जाता है। मधुमक्खी, भिड़ और विषैले जन्तु काट लेने पर इसका रस डंक पर मलना बहुत लाभदायक है। प्याज के रस की कुछ बूंदें नाक में टपकाने से बहता हुआ रक्त रुक जाता है।

गंज के स्थान पर प्याज का रस रगड़ते रहने से बाल दोबारा पैदा होने लग जाते हैं और बाल गिरने रुक जाते हैं। प्याज को सुंघने से मिर्गी और हिस्टेरिया का दौरा दूर हो जाता है। परन्तु प्याज के प्रयोग से पेट में गेस उत्पन्न होने लगती है। पेट फूल जाता है। पाचनांगों में खराश होने लगती चर्म रोग, वृक्क, हृदय और रक्त वाहणियों, आंतों में घाव और शोथ, मूत्राशय में शोथ आदि रोगों में इसका प्रयोग करना उचित नहीं हैं।

गारन्टी—इस बात की गारन्टी की जाती है कि एक वर्ष में घर बैठे आप की डाक्टरी और आयुर्वेद की योग्यता कई गुणा बढ़ जायेगी। चिकित्सक में प्रकाशित दवाओं, लेखों को पढ़कर आप अपने और दूसरों के पुराने रोग तक सफलता से दूर कर सकेंगे। डाक्टर, वैद्य, हकीम अपनी प्रेक्टिस, आमदनी, योग्यता और रोगियों की संख्या ८-१० गुणा बढ़ा सकते हैं। कई वर्ष तक मेडिकल कालेजों में पढ़ने पर भी आप यह नुस्खे व भेद सैंकड़े रुपया देकर भी प्राप्त नहीं कर सकते। पहला पृष्ठ पढ़कर आज ही मेम्बर बन जायें।

गवनमेन्ट आफ इन्डिया की प्रकाशित प्रमाणिक अंग्रेजी डाक्टरी पुस्तकें

(१) आयुर्वेदिक फार्मूलरी आफ इन्डिया--हजारों प्रसिद्ध आयुर्वेदिक पेटेन्ट दवाओं के योग, बनाने की विधियां, उनसे विभिन्न रोगों की चिकित्सा पर सबसे प्रमाणित पुस्तक ३२४ बहुत बड़े पृष्ठ, मूल्य ११.५५ रुपया।

(२) नेशनल फार्मूलरी आफ इन्डिया १९७९ एडीशन दो हजार के लगभग एलोपैथिक दवाओं और एलोपैथी पर जानकारी, ५६७ पृष्ठ कपड़े की जिल्द मूल्य १३.२५ रुपये।

(३) कैरियर इन मेडीसिन ऐण्ड अलाईड फील्ड्ज–अंग्रेजी पढ़े लिखों के लिए दवाओं सम्बन्धी धन्धों से रुपया कमाने पर जानकारी, १६६ पृष्ठ मूल्य १.३५ रुपया।

(४) हैंड बुक आफ मेडिकल एग्जामिनेशन ३.०० रुपया।

(५) ड्रग्ज ऐन्ड कास्मेटिक्स ऐक्ट ऐन्ड रूल्ज १९७९ एडीशन–एलोपैथी, होमियोपैथी, आयुर्वेद की दवायें बनाने, बेचने, लाईसेंस लेने पर आवश्यक जानकारी ४०५ बहुत बड़े पृष्ठ, हर डाक्टर, वैद्य, हकीम, कैमिस्ट, दवायें बनाने व बेचने वालों के लिए अति आवश्यक। मूल्य ७.९० रुपया।

भारत सरकार की अंग्रेजी पुस्तकें

डेन्जरस ड्रग्ज एक्ट	२.१०
फार्मेसी एक्ट	१.५५
प्रीवेन्शन आफ फूड एडल्ट्रेशन एक्ट	५.००
ट्रीटमेंट आफ ईयर, नोज, थ्रोट कन्डीशनस	९.२५
आकोपेशन डीजिजिज	१.६५
प्रीवेन्शन आफ येलो फीवर इन इन्डिया	०.८७
केरियर इन मेडिसन एण्ड एलाईड, फील्ड–दवाओं और चिकित्सा सम्बन्धी काम	१.३५
आफ्टर B. Sc. What बी०एस०सी० पास करने के बाद क्या करें	०.६५
आफ्टर इन्टर मेडियेट वट—F. A. के बाद क्या करें	०.६५
एग्रीक्लचरल ग्रेजुएट एण्ड एलाईड साईन्टिस्ट	०.६०

स्वास्थ्य, लम्बी आयु प्राप्त करने पर अंग्रेजी पुस्तकें

डिक्शनरी आफ बेबी एण्ड चाईल्ड केअर	९.५०
आल अबाऊट डेन्टज केअर	७.५०
इन्डियन वुमेनस मेडिकल गाईड	९.५०
ब्यूटी एन्ड स्किन केअर	७.५०
ऐवरी थिंग ए वुमेन नीड्ज टू नो अबाऊट प्रैग्नेन्सी	९.५०
स्टे यंगर, लिव लांगर थ्रू दी मेजिक आफ मेंटल सेल्फ कन्डीशनिंग	९.५०
मेमोरी ट्रेनिंग फार स्टूडेन्ट एण्ड एग्नेक्टिवस	६.५०
एनरजाईजिंग दी १२ पावर्स आफ युअर माईन्ड	६.५०
रा जूस थैरापी—सब्जियों, फलों व जड़ी बूटियों के रसों से रोगों की चिकित्सा	७.००
सीक्रेटस आफ नेचुरल ब्यूटी	१०.००
मेगनेटो थैरापी—चुम्बकों (मिकनातीस) से पुराने व भयानक रोगों की चिकित्सा	१५.५०
नेचुरल वेज आफ हीलिंग	८.५०
अनयुयल एण्ड अनार्थोडाक्स हीलिंग मैथड्स एण्ड मेडिसिन—रोग दूर करने के अल्प मूल्य नुस्खे	९.५०
स्टे यंग, लिव लांगर	९.५०
कीप फिट स्टे यंग	६.५०
इन्फेन्ट्स एण्ड चाईल्ड केअर फार इन्डियन मदर्स	८.५०
न्यूट्रीशस रीसिप्स फार हैल्दी लिविंग	७.००
यूरिन थैरापी—स्वयं मूत्र चिकित्सा—आर्मस्ट्रांग	१०.००
नेचुरल हैल्थ रेमेडीज	२०.००
कामन कोल्ड एण्ड इट्स क्योर—नजला, जुकाम सर्दी का इलाज	६.५०
सन आर डाटर बाई चायस—लड़का, लड़की इच्छानुसार पैदा करना	७.००

मिरेकल्ज ग्राफ मिल्क, बर्नर मेकफेडन–दूध के चमत्कार व रोगों की चिकित्सा ४-००

इम्प्रूव यूग्रर मेमोरी एन्ड मेन्टल पावर्स ८-००

स्ट्रेन्गथन युग्रर हार्ट–अपना हृदय ताकतवर बनाओं २-५०

हाऊ टू कीप युअर हार्ट यंग एण्ड हैल्दी ७-[illegible]०

यू केन प्रिवेन्ट हार्ट अटैक ५-००

नेचुरल डायटेटिक्स–लम्बी ग्रायु व स्वास्थ्य के लिये भोजन ६-५०

प्रिंसिपल्ज एन्ड प्रक्टिस ग्राफ योगा थैरापी–योग से रोगों की चिकित्सा २०-००

पापुलर गाईड टू नेचर क्योर–डा० डेविडसन १२ ००

डाक्टर होम्ला नेचुरल हैल्थ रेमेडीज २६-००

डाक्टर होम्ला लाईफ एक्सटेन्डर गाईड–लम्बी ग्रायु तक ताकतवर बने रहने के भेद २६-००

हीलिंग विद वाटर–जीन कैलर २६-००

माडर्न मैजिक ग्राफ नेचुरल हीलिंग विद वाटर थैरापी–ग्रमेरिका के डा० सर्नी २०-००

शादी, सैक्स, प्रेम, सम्भोग, गुप्त ज्ञान

ग्रार्ट ग्राफ किसिंग–चुम्बन विद्या, ग्रार्ट पेपर पर छपे फोटो। ८-००

मैरिज मैनुयल–सैक्स व विवाहितों के लिये गुप्त ज्ञान। ७ ००

ग्राल ग्रबाऊट लव एण्ड सैक्स ८-५०

ग्राल अबाऊट युग्रर इन्टीमेट सैक्स एण्ड मैरिड लाईफ ६-५०

कामसूत्र १२वीं शताब्दी में लिखी गई महाऋषि वात्सायन की लिखी सम्भोग, सैक्स ग्रौर गुप्त ज्ञान पर रोमांचकारी सचित्र पुस्तक १२-५०

हाऊ टू मैरी समवन यू केन लिव विद ग्राल युग्रर लाईफ १२-००

एनाटोमिकल सैक्स एटलस–स्त्री पुरुषों के गुप्तांगों के चित्र ग्रौर उनके विचित्र कार्यों का वृतान्त ग्रमेरिका में छपी ४-६०

डाक्टर मेक मी ब्यूटीफुल–स्त्रियों को सुन्दर ग्रौर जवान बनाना ५-००

सीक्रट ग्राफ सक्स (एण्डर्सन) १०-००

सैक्स इन मैरिज, वाल्टर ब्रुच पी० एच० डी० १४-००

मेडिकल हाउस ३६५६ कुतब रोड, देहली–६

युअर गाईड टू लव एण्ड सैक्स, न्यू हार्न १०-००
सैक्स प्राबलम्स एण्ड देयर मेनेजमेंट ८-००
चेन्ज आफ लाईफ इन मैन एण्ड वुमैन ३-००
तन्त्र-सम्भोग व सैक्स की गुप्त शक्ति १०-००
सैनसुअस वुमैन (एय्याश व इश्क बाज स्त्रियां ७-००

योग, आध्यात्मिक विद्या की अंग्रेजी पुस्तकें

योगा फार यू-अमेरिका की इन्द्रा देवी ६-००
योगा फार फिजिकल फिटनेस-रिचर्ड हिटलमैन ६-००
योगिक आसनस फार हैल्थ एण्ड विगर, रेले ६-६५
योगा प्रैक्टिस-स्वामी शिवानन्द फोटो सहित १७-००
सायन्स आफ योगिक ब्रीदिंग (प्राणायाम)-शान्ति कुमार योगी १७-००
टैन पुआयन्ट वे टू हैल्थ-सूर्य नमस्कार से स्वास्थ्य राजा आफ औंध १७-००
योगा फार हैल्थ एण्ड वाईटेलेटी २१-६०
समाधी-मौनी साधु-योग से परमात्मा के दर्शन और उसमें लीन हो जाना २१-६०
योगिक क्योर फार कामन डिजिजिज १०-००
योगा एण्ड वाईटेलेटी ८-५०
योगा पोस्चर (आसन) ६-५०
योगा सिक्रटेस फार एक्स्ट्रा आर्डीनरी हैल्थ एण्ड लांग लाईफ ६-५०
मिरेकल्ज आफ मना फोर्स-मानसिक शक्तियों से धन, दौलत, शासन, शक्ति प्राप्त करने के भेद, मैडेलीन मोरिस २६-००
मिरेकल्ज आफ मेटा फिजिकल हीलिंग-मोनाहन २४-००
सायन्स आफ साईकिक हीलिंग-मानसिक चिकित्सा योगी राम चन्द्र ६-६५
Ultra Psychonics वाल्टर डैशेनी-गुप्त शक्तियां प्राप्त करके चमत्कार दिखाना २०-००

मेडिकल हाउस ३६५६ कुतब रोड, देहली

आपकी राशि व उद्योग धन्धों का भविष्य

(१) कन्या Virgo—इस राशि का शासक बुद्ध (मर्करी) है। इस राशि के व्यक्ति सर्जन, आडीटर्स, अकाउन्टेन्ट, उच्चपद अधिकारी (Executives) बैंकर और एडीटरी के काम में सफलता प्राप्त करते हैं। काफी बड़े बड़े पुलिस आफिसर और सी० आई० डी० के आफिसर भी इस राशि से सम्बन्ध रखते हैं। इस राशि के लोगों को प्रिंटिंग प्रैस, इन्जीनियरी के उद्योग, औषधि निर्माण के कामों में भी सफलता प्राप्त होती है।

(२) तुला (Libra)—राशि का शासक (Venus) है। इस राशि के लोग संसार में प्रसिद्ध वकील, राजनीतिज्ञ, एम्बैसेडर्स और राष्ट्रपति तक बनत देखे गये हैं। इस राशि के लोग फिल्म ऐक्टर, प्रोडयूसर, गायक बन कर भी प्रसिद्ध होते हैं। इस राशि की स्त्रियां टेलीफोन आपरेटर, रिसैप्शि–निस्ट सैल्ज गर्ल्ज बनती हैं।

(३) वृश्चिक (Scorpio)—इस राशि का शासक मंगल है। इन लोगों को खानों (Mines) समुद्री, धन्धों, औषधि निर्माण, कोठियां बनाने, ठेकेदारी आदि काम में सफलता प्राप्त होती है। अधिक पढ़े लिखे डाक्टर या इन्जीनियर बनते हैं। बहुत ऊंचा सोचने वाले लोहे या मोटर कारें और पुर्जे बनाने के कारखाने भी लगाते हैं।

(४) धनु (Sagittarius)—इस राशि का शासक ज्यूपीटर (बृहस्पति) है। ऐसे लोग लेक्चर देने में ख्याति प्राप्त करते, राजनीतिज्ञ और लीडर बनकर सफलता प्राप्त करते हैं। ट्रांसपोर्ट, इन्जीनियर, विज्ञापन कला में भी इनको सफलता प्राप्त होती है।

(५) मकर (Capricorn)—इस राशि का शासक शनि है। इनको धन कमाने में बड़ी सफलता मिलती है। यह लोग बड़े २ ठेकेदार, टिम्बर मर्चेन्ट, बड़े बड़े प्रकाशक बनते हैं। यह लोग बहुत धन कमाते हैं।

डाक्टरी, आयुर्वेद, होमियोपैथी की प्रमाणित हिन्दी पुस्तकें

पहले पृष्ठ की स्कीम अनुसार मेम्बर बनकर पृष्ठ ४९ से ६३ तक की पुस्तकों में से १० रुपये की अपनी पसन्द की पुस्तकें मुफ्त ले सकते हैं।

माडर्न इन्जेक्शन गाईड—लेखक डा० जे० पी० सक्सेना, एम० बी० बी०एस०, एम०डी०। जिसको पढ़कर हजारों हिन्दी पढ़े लिखे वैद्य, डाक्टर अपने रोगियों की इन्जेक्शनों से चिकित्सा करके हर महीने सैकड़ों रुपया कमा रहे हैं। इस पुस्तक में हर प्रकार के इन्जेक्शन लगाना, तमाम मनुष्य रोगों की इन्जेक्शनों से चिकित्सा, कई सौ इन्जेक्शनों का वृतांत, उनसे विभिन्न रोगों की चिकित्सा, भयानक खतरनाक रोगों में इन्जेक्शन लगाकर मरते रोगी को बचाना, इन्जेक्शन लगाने के बुरे प्रभाव और उनकी चिकित्सा, हर रोग के सफल इन्जेक्शन, उनके लगाने पर पूरी जानकारी। चौथा बड़ा एडीशन, सजिल्द, मूल्य १२ रुपया।

तड़पा देने वाली दर्दों की चिकित्सा—इस पुस्तक में तड़पा देने वाले १०० से अधिक रोगों की दर्दों को इन्जेक्शन और दवाओं से मिनटों में दूर करने की सैकड़ों एलोपैथिक, वैद्यक दवाओं का वृतान्त है। जिनसे आप तड़पा देने वाले सिर दर्द, आधे सिर के दर्द, गुर्दों का दर्द, उदरशूल, गृध्रसी, दांत व कान दर्द, जोड़ों का दर्द, कमर दर्द, बच्चा पैदा होने का दर्द, प्रदर का दर्द, जल जाने का दर्द, फोड़ों का दर्द, कैन्सर का दर्द, ऐन्ठन की दर्दें, सांप, बिच्छू काटे का दर्द और एक सौ के लगभग रोगों की दर्दों को मिनटों में दूर करने का वृतान्त। हर रोग के लक्षण, निरीक्षण तथा दर्दें दूर करने वाली दवायें, दूसरा एडीशन मूल्य ८ रुपया।

एबोर्शन गाईड व फैमिली प्लानिंग—लेडी डाक्टर अन्नपूर्णा सक्सेना, एम०बी०बी०एस०, लेक्चरार गवर्नमेंट आयुर्वेदिक कालेज लखनऊ, दूसरा बड़ा संस्करण। गर्भ गिराने की एलोपैथिक, आयुर्वेदिक, यूनानी दवायें, सरकारी अस्पतालों में गर्भ गिराने की विधियां, गर्भ गिराने के यन्त्रों का

प्रयोग, गर्भ गिराने के इन्जेक्शन, खाने की दवायें, गर्भाशय में प्रवेश करने वाली दवायें, गर्भ गिराने के कानून का सारांश, गर्भ गिराने का अस्पताल खोलने की मंजूरी लेना, गर्भ से बचाने वाली दवायें, यन्त्र, लूप, एफ० एल०, चैक पेसरी, नसबन्दी आदि, १५ रुपया।

विष चिकित्सा–विष खाये रोगी को मरने से बचाने, विष निकालने व प्रभावहीन बनाने की विधियां। रोगी के आमाशय को धोकर विष निकालना। एक सौ से अधिक विषों, विषैली दवाओं जैसे अफीम, सखिया, तेजाब, सोडा कास्टिक, कुचला, मार्फीन, स्ट्रिकनिया, मीठा तेलिया, नीला थोथा, धतूरा और दूसरी सैकड़ों विषों, विषैले जानवरों के काटने की विषों के लक्षण, विष प्रभावहीन बनाने की एलोपैथिक, वैद्यक दवायें, ५ रुपया।

माडर्न ब्लड प्रैशर गाईड––इस पुस्तक में स्फग्मोमेनोमीटर यन्त्र से ब्लड प्रैशर देखने की विधि, हाई तथा लो ब्लड प्रैशर के कारण, लक्षण इनसे पैदा होने वाले रोगों की एलोपैथिक, आयुर्वेदिक चिकित्सा, हाई व लो ब्लड प्रैशर की रोगियों पर आजमाई दवाओं का वृतांत ४ रुपया।

विटामिन थैरापी–शरीर में पुराने रोगों के बाद विटामिन न रहने से बीसियों रोग पैदा हो जाते हैं। किस विटामिन की कमी से कौन २ से कष्ट व रोग पैदा हो जाते और उनकी विटामिनों से बनी दवाओं व खुराकों से चिकित्सा का वृतांत। विटामिनों से बनी सैकड़ों दवाओं के योग, उनसे तमाम मनुष्य रोगों की चिकित्सा का वृतान्त ३ रुपया।

कम्पाउन्डर गाईड–डा० ओम प्रकाश एम० बी० बी० एस०। कम्पाउन्ड्री और डिस्पेन्सर का काम सीखने, परीक्षा पास करने, कम्पाउन्डर बनने, एलोपैथिक डाक्टरी सीखने पर आवश्यक पुस्तक। लेखों का सारांश, कम्पाउन्डर के कर्तव्य, दवाओं की मात्रा, दवायें बनाने व रोगी को देने पर जानकारी, एलोपैथिक मिक्सचर्ज, टिकियां, गोलियां, लोशन, मह्हरमें, पेस्ट, दवाओं के पाउडर, केशे, कैपसूल, डाक्टरों के योग बनाना, इन्जेक्शन लगाना, सीरम, वैक्सीन, एलोपैथिक की नई २ दवायें, ड्रग्ज एक्ट, एलोपैथिक दवाओं से चिकित्सा करने पर आवश्यक पुस्तक, ३२० पृष्ठ ८ रुपया।

नवीन चिकित्सा संकेत–डा० असरी एलोपैथिक की नई २ दवाओं

पर पूर्ण जानकारी। पचास २ रोग दूर करने वाली नई २ डाक्टरी दवाओं से बीसियों रोगों की चिकित्सा, मरते रोगियों को बचाने वाली दवायें। डाक्टरी के नये सफल योग, ५ रुपया।

एन्टी बायोटिक ड्रग्ज—तमाम एन्टी बायोटिक दवाओं का वृतांत और एन्टी बायोटिक औषधियों से न्यूमोनिया, उपदंश, सुजाक और दूसरे भयानक संक्रामक रोगों की चिकित्सा। २.५० रुपया।

सुजाक चिकित्सा—इस भयानक रोग के विशेषज्ञ बनकर एक एक रोगी से कई कई सौ रुपया प्राप्त करें। इस पुस्तक में सुजाक के कारण, लक्षण, निरीक्षण, सुजाक से पैदा होने वाले रोग, एलोपैथिक दवाओं से चिकित्सा और नुस्खे लिख दिये गये हैं। जिसके १-१ योग से आप ५०-५० रुपया तक प्राप्त कर सकते हैं। ३ रुपया।

खांसी चिकित्सा—न्यूमोनिया, प्लूरिसी, नजला, जुकाम, ब्रोंकाईटिस, क्षय रोग, इन्फ्लुएन्जा, एलर्जी, दमा और दूसरे २० रोगों से पैदा होने वाली खांसियों के लक्षण, निरीक्षण की पेटेन्ट दवाओं से चिकित्सा करने पर विस्तारपूर्वक वृतान्त, १-७५ रुपया।

पाकेट इन्जेक्शन गाईड—डा० जे० पी० सक्सेना एम० डी०। पांचवां संस्करण, इस पुस्तक में तमाम प्रसिद्ध रोगों के चोटी के एलोपैथिक इन्जेक्शन, उनकी मात्रा, लगाने की विधि इस प्रकार लिख दी गई है कि आप अपने रोगियों को उचित इन्जेक्शन लगाकर भयानक रोर दूर कर सकते है। १-७५ रुपया।

माडर्न एलोपैथिक मेटेरिया मेडिका—डा० जे० पी० सक्सेना, एम० बी० बी० एस०, एम० डी०। भूतपूर्व लेक्चरार कालेज आफ मेडिकल साईन्सिज बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी। एक हजार से अधिक एलोपैथिक दवाओं की मात्रा, लाभ और प्रयोग, उनसे विभिन्न रोगों की चिकित्सा करने पर जानकारी, लोशन, पाउडर, खाने की दवायें, गोलियां, कैपसूल, टिकियां, इन्जेक्शन, विटामिन, एन्टी बायोटिक, सल्फा दवायें, मरहमें, कान की दवायें, एक्सट्रैक्ट, टिंक्चर, १००० दवाओं का वृतांत। अपने रोगियों की एलोपैथिक दवाओं से चिकित्सा करने पर जरूरी पुस्तक। तीसरा संस्करण। ९ रुपया।

आपरेशन करना सीखें, सफल सर्जन बनें

माईनर सर्जरी (छोटे छोटे आपरेशन)–लेखक डा० जे०पी० सक्सेना, एम० बी० बी० एस०, एम० डी० । इस पुस्तक को पढ़कर आप चोटी के सर्जन बन सकते हैं। कुछ लेख–आपरेशन और चीर फाड़ करने पर जरूरी आदेश, सामान, यन्त्रों, हाथों और आपरेशन के स्थान को कीटाणुरहित करना, फोड़े, फुन्सी, घाव, नासूर, भगन्दर, कारबन्कल तथा १०० छोटे २ आपरेशन करने की विधियां, इन्जेक्शन लगाना, आपरेशन और सर्जरी में काम आने वाली दवायें, चीर फाड़ और चिकित्सा में काम आने वाले डाक्टरी यन्त्र, बेहोश और सुन्न करने वाली दवायें। बिना दर्द दांत उखाड़ना, मरते रोगियों को मिनटों में बचाना, रुका मूत्र जारी करना, आपरेशन, सर्जरी चीर फाड़ के ४०० से अधिक विषयों पर वृतान्त, १० रुपया।

माडर्न डायग्नोसिस (निरीक्षण विज्ञान)––लेखक डा० ओम प्रकाश एम० बी० बी० एस० । रोगी का निरीक्षण किये बिना आप उसके रोग दूर नहीं कर सकते। इस पुस्तक में रोगी के सिर से पांव तक की परीक्षा करना, पुराने रोगों में ग्रस्त रोगियों की परीक्षा, रोगियों की हिस्ट्री शीट बनाना, उनसे पूछे जाने वाले जरूरी प्रश्न, बच्चों व स्त्रियों की परीक्षा, गुप्त रोगों में ग्रस्त रोगियों की परीक्षा। रोगी को देख, टटोल, छू कर तथा डाक्टरी यन्त्रों से परीक्षा, पेट, छाती, नाक, कान, आंख, चेहरा, गले की परीक्षा, चर्म, रक्त, गुदा, स्त्री पुरुषों की जननेन्द्रियों की परीक्षा, रोगियों की परीक्षा करने की सरकारी अस्पतालों और बड़े बड़े सिविल सर्जनों की परीक्षा विधियां और वह गुप्त भेद जो आप मेडिकल कालेजों में ही सीख सकते हैं। १० रुपया।

मूर्च्छा चिकित्सा––बेहोश रोगी को मिनटों में होश में लाने वाली दवायें, दिल फेल होने, सदमा, हाई ब्लड प्रेशर, मिर्गी, हिस्टेरिया और २६ प्रकार की बेहोशी के लक्षण, निरीक्षण और उनकी एलोपैथिक, वैद्यक चिकित्सा, दूसरा संस्करण। ४-५० रुपया।

पुरुष गुप्त रोग चिकित्सा––पुरुषों के गुप्त रोगों की चिकित्सा में विशेषज्ञ बनकर एक एक रोगी से कई कई सौ रुपया प्राप्त करें। इस पुस्तक

में सम्भोग न कर सकना, मर्दाना कमजोरी, स्वप्न और मूत्र के साथ वीर्य निकल जाना, शीघ्रपतन, हस्तमैथुन से इन्द्री छोटी, पतली और कमजोर होना, नामर्दी, स्त्री को गर्भ न ठहरा सकना, वीर्य पतला होना, मर्दाना इन्द्री, खसियों के रोग, उनके लक्षण, कारण, एलोपैथिक की पेटेन्ट दवाओं, इन्जेक्शनों, आयुर्वेद, यूनानी दवाओं से चिकित्सा, सैकड़ों दवाओं के योग व इन्द्री को मोटा, लम्बा और ताकतवर बनाने वाली मालिश और खाने की दवाओं के ऐसे २ नुस्खे लिख दिये गये हैं जिनसे ७०–७५ वर्ष के बूढ़े तक सफलता से सम्भोग कर सकते हैं। सजिल्द चौथा बड़ा संस्करण ७ रुपया। ६.५० रुपये मनीआर्डर भेजने पर रजिस्ट्री भेज दी जायेगी। वी० पी० से मंगवाने पर १०.५० खर्च होगा।

माडर्न सल्फा ड्रग्ज—तीसरा संस्करण। मुख्य सल्फा औषधियों के लाभ और उनसे भयानक संक्रामक रोगों की चिकित्सा। २ रुपया।

ज्वर चिकित्सा—४० प्रकार के ज्वरों के कारण, लक्षण, निरीक्षण व उनकी एलोपैथिक, वैद्यक, होमियोपैथिक चिकित्सा। नया संस्करण ४ रुपया।

उदर रोग चिकित्सा—पेट के विभिन्न रोग जैसे अजीर्ण, अतिसार, यकृत रोग, पेट के कीड़े, कब्ज, पेचिश, प्लीहा वृद्धि, उदरशूल, दस्त, कै, पेट के रोगों के कारण, लक्षण, उनकी चिकित्सा। ६ रुपया।

लेडी डाक्टर (स्त्री रोगों की चिकित्सा)—लेडी डाक्टर, दाई व नर्सें और डाक्टर, वैद्य जो स्त्री रोगों की चिकित्सा सरकारी जनाना अस्पतालों की लेडी डाक्टरों की भांति एलोपैथिक दवाओं से करना चाहते हैं तो यह पुस्तक पढ़ें। स्त्री रोगों के कारण, लक्षण, निरीक्षण और उनकी संसार प्रसिद्ध एलोपैथिक दवाओं से चिकित्सा। पसन्द न आये तो २० दिन में वापिस कर दें। ७ रुपया।

बांझपन चिकित्सा—जनाना सरकारी अस्पतालों की लेडी डाक्टरों के अनुभवों का निचोड़। बांझपन के प्रकार, कारण, निरीक्षण, गर्भ न ठहरने की एलोपैथिक, आयुर्वेदिक, यूनानी दवायें जिनसे १५–२० वर्ष की बांझ स्त्रियों तक को गर्भ ठहर जाता है। ३ रुपया।

प्रदर रोग–प्रदर कैसे और क्यों आता, प्रदर रुक या बन्द हो जाना, दर्द व कष्ट से आना, अधिक आना, प्रदर रोगों के कारण और उनकी चिकित्सा। २ रुपया।

गर्भपात व गर्भ निरोध–गर्भ गिराने की ५० से अधिक एलोपैथिक, आयुर्वेदिक, यूनानी दवायें और डाक्टरी यन्त्रों से गर्भ गिराने की विधियों का वृतांत। २-५० रुपया।

स्त्री रोगों का निरीक्षण–स्त्री जननेन्द्रियों का निरीक्षण करने, प्रदर कम, अधिक आने, रुक जाने, बांझपन और स्त्री जननेन्द्रिय रोगों का निरीक्षण करने की सरकारी जनाना अस्पतालों और बड़ी २ लेडी डाक्टरों की विधियां जिनसे आप स्त्री रोगों में विशेषज्ञ बन सकते हैं। २ रुपया।

लड़का, लड़की इच्छानुसार पैदा करने के गुप्त भेद–लड़का, लड़की इच्छानुसार पैदा करने के आयुर्वेदिक, युनानी, एलोपैथिक सिद्धांत, लड़का पैदा करने की वैद्यक, युनानी, होमियोपैथिक, एलोपैथिक चिकित्सा। २.५० रुपया।

हथेली पर सरसों जमाने वाली दवायें—एलोपैथिक, आयुर्वेदिक, यूनानी की मरहमें, लिनीमेंट, मालिश की दवायें, मर्दाना कमजोरी, दर्दों को मिनटों में दूर करने वाली, बाहर लगाने की दवाओं के ५–६ सौ के लगभग योग। मूल्य २-५० रुपया।

अतिसारों की चिकित्सा–नये पुराने दस्त, हैजा, संग्रहणी, पेचिश, बच्चों के दस्त, पहाड़ों पर जाने से दस्त, खून के दस्त, आंव वाले दस्त, भोजन न पचने से दस्त, स्प्रू, संक्रमण के दस्तों के कारण, लक्षण और २० प्रकार के दस्तों की एलोपैथिक, आयुर्वेदिक, यूनानी दवाओं से चिकित्सा। २-५० रुपया।

मोतिया बिना आपरेशन दूर करना, दृष्टि तेज करना और ऐनकें उतारना-हजारों लोगों पर आजमाई विधियां, एलोपैथिक, होमियोपैथिक, आयुर्वेदिक, यूनानी दवायें, अमेरिका के डाक्टर बेट्स एम० डी०, भारत के योगियों की विधियां। जिनसे हजारों व्यक्ति ऐनकें उतार तथा दृष्टि तेज कर चुके और मोतिया बिना आपरेशन उतार चुके हैं, ३ रुपया।

नपुन्सक चिकित्सा–पुरुषों के गुप्त रोग, सम्भोग न कर सकना, नपुन्सकता, मर्दाना कमजोरी, इन्द्री दोष, शीघ्रपतन, स्वप्न दोष, वीर्य प्रमेह की एलोपैथिक, आयुर्वेदिक और होमियोपैथिक दवायें जिनसे आप १–१ रोगी से एक सौ रुपया तक ले सकते हैं। २.५० रुपया।

वीर्य व मर्दाना बांझपन की परीक्षा––कई मर्द स्त्रियों से बार बार सम्भोग करने और नामर्द न होने पर भी स्त्री को गर्भ नहीं ठहरा सकते। ऐसे पुरुषों के वीर्य की परीक्षा करना और गर्भ न ठहरा सकने का निरीक्षण और चिकित्सा करने की विधियां, चिकित्सा। डेढ़ रुपया।

घाव चिकित्सा (जख्मों का इलाज)–सैकड़ों घाव, कारबंकल, पुराने फोड़े, नासूर, भगन्दर, दाद, चम्बल, एक्ज़ीमा, चोट, मोच, खुजली, सांप, पागल कुत्ता व बिच्छू काटने के घाव, आग से जल जाने के घाव, कोढ़, वर्षों से पीप बहना, जड़ों वाले घाव, फोड़े को चीरना, पट्टियां बांधने, कन्ठमाला, एक सौ से अधिक फोड़ों व घावों की चिकित्सा, आपरेशन, फोड़ों की सैकड़ों दवायें। ६ रुपया।

गिल्हड़ चिकित्सा (घेघा) के प्रकार, लक्षण और चिकित्सा और सैकड़ों दवायें। २ रुपया।

माडर्न स्टेथस्कोप गाईड––फेफड़ों, हृदय, श्वास अंगों की बनावट, इन अंगों की आवाजों को स्टेथस्कोप से सुनकर न्यूमोनिया, राजयक्ष्मा, खांसी, फेफड़ों व दिल के रोगों का निरीक्षण करने की विधियां। १.७५ रुपया।

कपिंग ग्लास गाईड–वृक्कशूल, उदरशूल, एक्ज़ीमा, खुजली, दाद, कारबंकल, सांप, बिच्छू के विष को कपिंग ग्लास लगाकर मिनटों में दूर करने का वृतान्त। १-२५ रुपया।

राजयक्ष्मा चिकित्सा–फेफड़ों, पेट, चर्म, मस्तिष्क और दूसरे कई प्रकार के क्षय, कन्ठमाला के कारण, लक्षण, हर प्रकार के क्षय की एलोपैथिक, आयुर्वेदिक चिकित्सा। ३ रुपया।

बच्चों के रोगों का निरीक्षण—बच्चों के रोने, चीखने, उनके चेहरे को देखकर रोगों का निरीक्षण करने पर पूर्ण वृतान्त। डेढ़ रुपया।

कैथेटर गाईड—मूत्र प्रणाली में रबड़ के केथेटर (नलकी) डालकर बन्द और रुका मूत्र मिनटों में निकालकर रोगी के सख्त कष्ट दूर करने का वृतान्त। ७५ पैसा।

मूत्र परीक्षा (यूरिन टेस्ट)—डा० जे० पी० सक्सेना, एम० डी० भूतपूर्व लेक्चरार मेडिकल कालेज बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी। मूत्र को देख, उसकी रसायनिक विधियों तथा अनुवीक्षण यन्त्र से परीक्षा करके मनुष्य शरीर में होने वाले रोगों का निरीक्षण और परीक्षा विधियां, २-५० रुपया।

बच्चों के रोगों की चिकित्सा—बच्चों के रोगों के लक्षण, निरीक्षण और उनकी एलोपैथिक चिकित्सा, बच्चों के इलाज में विशेषज्ञ बनने पर प्रमाणित पुस्तक २०० पृष्ठ। ७ रुपया।

काली खांसी का इलाज—काली खांसी के लक्षण, कारण काली खांसी से होने वाले भयानक रोग उनका, निरीक्षण और लाखों रोगियों पर अनुभूत एलोपैथिक, होमियोपैथिक, आयुर्वेदिक दवाओं का वृतान्त। १-५० रुपया।

उन्माद चिकित्सा—छोटी चन्दन (चन्द्रभागा, असरोल) से जंजीरों में बन्धे जोशीले, पागलों और हाई ब्लड प्रैशर के रोगियों को शर्तिया निरोग बनाने के योग। १ रुपया

कुष्ठ (कोढ़) चिकित्सा—कुष्ठ के प्रकार, उनके लक्षण और माडर्न अंग्रेजी दवाओं से हर प्रकार के कुष्ठ का इलाज, सजिल्द। ४-५० रुपया।

आई डाक्टर—आंखों के रोग, उनका निरीक्षण और उनकी एलोपैथिक, आयुर्वेदिक दवायें। २.५० रुपया।

हैजा चिकित्सा—हैजा के लक्षण, कारण, हैजा की बड़े बड़े सरकारी अस्पतालों की एलोपैथिक दवाओं से चिकित्सा। १-५० रुपया।

दमा (श्वास रोग) **की चिकित्सा**—दमा के लक्षण, प्रकार, निरीक्षण और इस रोग की माडर्न एलोपैथिक दवाओं, आयुर्वेद, होमियोपैथी की दवाओं से चिकित्सा। ३-५० रुपया।

बवासीर की चिकित्सा—खूनी, बादी बवासीर के कारण, लक्षण, निरीक्षण, बवासीर की पेटेन्ट एलोपैथिक दवाओं, होमियो०, आयुर्वेद, युनानी की हजारों रोगियों पर आजमाई दवाओं के नुस्खे, मस्सों में इन्जे-

क्शन लगाना व आपरेशन करना, प्राकृतिक विधियों से इलाज। बवासीर के विशेषज्ञ बनकर एक एक रोगी से कई २ सौ रुपया प्राप्त करें। ३ रुपया।

शराब छुड़ाना व शराबियों का इलाज—शराब की आदत छुड़ाना, शराबियों का इलाज करके एक २ शराबी से ४-५ सौ रुपया प्राप्त करें। शराब छुड़ाने की संसार प्रसिद्ध एलोपैथिक व दूसरी दवायें जिनसे रोगी शराब पीने का नाम नहीं लेगा तथा शराब की अल्प मात्रा से सैकड़ों रोगों की चिकित्सा। ४ रुपया।

प्रैक्टिस, रोगी, आमदनी, बढ़ाने के गुप्त रहस्य—इस पुस्तक को पढ़कर आप अपनी आमदनी और रोगी कई गुणा बढ़ा सकते हैं। बड़े बड़े चिकित्सकों, औषधालयों की सफलता के भेद, रोगी फसाने, नगर २ में दवायें बेचने, एजेन्ट नियुक्त करने, रईसों की चिकित्सा करने, दवाओं से हजारों रुपये कमाने के सैकड़ों निराले गुप्त भेद। ३ रुपया।

नाड़ी परीक्षा—रोगी की नाड़ी को देखकर बिना पूछे रोग बताना, नाड़ी परीक्षा पर प्रसिद्ध वैद्यों, हकीमों और डाक्टरों के अनुभव, नाड़ी परीक्षा की विधियां, विभिन्न रोगों में नाडी की गतियों में अन्तर का वृतांत चौथा संस्करण। ढाई रुपया।

जड़ी बूटियों के चमत्कार व साधुओं सन्यासियों की दवायें—जब बड़े बड़े डाक्टर और सरकारी अस्पताल असाध्य रोगियों को ठीक नहीं कर सकते और उनको जवाब दे देते हैं तो आप इन जड़ी बूटियों व साधुओं और सन्यासियों की दवाओं से ऐसे २ रोगी भी मरने से बचा सकते हैं। जड़ी बूटियां जिनको पैसों मे खरीद या जंगल से मुफ्त इकट्ठा करके सैकड़ों रुपया कमा सकते हैं। इस पुस्तक में भारत की सस्ती जड़ी बूटियां मुफ्त मिल सकने वाली दवाओं के चमत्कार पढ़कर आप चकित रह जायेंगे। हिमायल पर्वत की चमत्कारी बूटियां जिनसे आप मरते रोगियों को बचा सकते और पुराने असाध्य रोग तक दूर कर सकते हैं। ५०० के लगभग जड़ी बूटियां व साधु सन्यासियों की दवाओं और चुटकुलों से बने सैकड़ों रोगियों पर आजमाये नुस्खे जो लाभ में डाक्टरी इन्जेक्शनों और बड़ी बड़ी पेटेन्ट दवाओं से भी अधिक लाभकारी, बनने में आसान, अल्प मूल्य या कम कीमत

योग जिसके एक २ नुस्खे से आप सैकड़ों रुपया प्राप्त कर सकते हैं। १९२ पृष्ठ, ८ रुपया।

त्रिफला–हरड़, बहेड़ा, आमला से बड़े बड़े रोग जैसे पाचनांगों के रोग, अजीर्ण, पुरानी कब्ज़, पेट फूल जाना, पेट में गैस, स्नायु रोग, दृष्टि की कमज़ोरी, दिल के रोग, समय से पहले बाल सफेद हो जाने और दूसरे बीसियों रोग दूर करने के अनुभूत योग। १.५० रुपया।

डाक्टर लहसुन––केवल लहसुन से क्षय, नपुन्सकता, हाई ब्लड प्रैशर, पेट के रोग और ५० दूसरे असाध्य रोग दूर करने के अनुभूत योग। १.५० रुपया।

डाक्टर प्याज़—प्याज़ से बीसियों रोग दूर करने के अनुभूत योग। १.२५ रुपया।

मधु चिकित्सा–मधु (शहद), मधुमक्खी की मोम, मधुमक्खी के डंक से अनेक भयानक, पुराने रोगों की चिकित्सा और लम्बी आयु प्राप्त करने के भेद। २ रुपया।

पुराने जटिल रोगों की दवायें––कई सौ होमियोपैथिक, एलोपैथिक दवायें जिनसे आप वर्षों पुराने जटिल, कष्टसाध्य रोगों में ग्रस्त ऐसे २ रोगी भी स्वस्थ बना और मरने से बचा सकेंगे जो बड़े २ सरकारी अस्पतालों में भी ठीक नहीं हो सके। ३.५० रुपया।

सरल देहाती योग–देहातों, जंगलों और शहरों में मिलने वाली साधारण देशी दवाओं से मनुष्य रोगों के सरल अल्प मूल्य योग जिनसे बड़े बड़े रोग दूर हो जाते हैं। इन दवाओं से आप अपनी, अपने सम्बन्धियों और रोगियों की चिकित्सा कर सकते हैं। २ रुपया।

प्राकृतिक चिकित्सा के चमत्कार––मनुष्य शरीर के विषैले दोष निकालकर बड़े बड़े पुराने असाध्य रोग दूर करने की सफल विधियां, लम्बी आयु प्राप्त करने, स्वस्थ बने रहने, उपवास, फलों और सब्ज़ियों के रसों से रोगों की चिकित्सा, विटामिनों, खनिजों और प्रोटीन से चिकित्सा, ऐनक छुड़ाने, बुढ़ापे तक दृष्टि तेज रखने के भेद। प्राकृतिक विधियों से बड़े बड़े असाध्य रोग दूर करने की विधियां। २ रुपया।

माडर्न चर्म रोग चिकित्सा—हर प्रकार की खुजली, चम्बल, दाद, विसर्प, फुलबहरी, कारबकल छाले, गर्मी दाने, गंज, गट्टे मस्से और विभिन्न चर्म रोगों के लक्षण, नई दवाओं से चिकित्सा । १२८ पृष्ठ, ३.५० रुपया ।

पशु चिकित्सा (वेटरनरी डाक्टर)—पशुओं, पक्षियों का पालन पोषण उनकी देखभाल, दूध बढ़ाने की विधियां, पशु पक्षियों को मोटा ताजा बनाना, गाय, भैंस, बकरी, सुअर, मुर्गियां पालना, पशुओं पक्षियों के रोगों के लक्षण, एलोपैथिक, वैद्यक दवाओं से दूध बढ़ाने और पशु पक्षियों के रोगों की चिकित्सा पर जानकारी । सजिल्द ८ रुपया ।

सांप, बिच्छू काट लेने की चिकित्सा-सांप, बिच्छू, पागल कुत्ता, भिड़, मधु मक्खी, जोंक, कीड़े, मकोड़े, जूं, काट लेने के लक्षण, सांप व पागल पशु के काटे रोगी को मरने से बचाना और चिकित्सा । ढाई रुपया ।

कैन्सर रसूलियों की चिकित्सा—लेखक डा० ए० पी० गौड, एम० बी० बी० एस० । बीस प्रकार के कैन्सर, रसूलियों के लक्षण, निरीक्षण और उनकी एलोपेथिक, होमियोपेथिक, आयुर्वेदिक दवाओं एक्स-रे, केमो-थेरापी और आपरेशन से चिकित्सा करने का वृतान्त । ५ रुपया ।

केश रोग चिकित्सा-बाल गिरने, बाल लम्बे, सुन्दर बनाने, काला बनाने, गंज और केश रोगों की सेकड़ों दवायें । ३ रुपया ।

स्ट्रेप्टोमाईसिन-लेखक डा० पी० डी० नारायण सिंह, एम०बी०बी० एस० । इस दवा से क्षय रोग, क्षयी सरसाम, प्लेग, पेचिश और दूसरे संक्रामक रोगों की चिकित्सा । १.२५ रुपया ।

रक्त चढ़ाना (ब्लड ट्रांसफ्यूजन गाईड)—रोगी के शरीर में रक्त, ग्लूकोज और नार्मल सेलाईन चढ़ाने की विधियां । १.५० रुपया ।

माडर्न एनीमा गाईड—एनीमा करने की विधियां, एनीमा से उदर-शूल, कब्ज, कीड़े, संग्रहणी, अतिसार जैसे रोग दूर करना, स्त्रियों को डूश करके गुप्त स्त्री रोगों की चिकित्सा । एक रुपया ।

कब्ज चिकित्सा—कब्ज के लक्षण, कारण, कब्ज की एलोपेथिक, आयुर्वेदिक चिकित्सा । १.७५ रुपया ।

टाईफायड चिकित्सा—टाईफायड के लक्षण, प्रकार,

टाईफायड से उत्पन्न होने वाले रोगों का निरीक्षण, इस रोग की रोकथाम, टाईफायड की एलोपेथिक, आयुर्वेदिक तथा होमियोपेथिक चिकित्सा। २ रुपया।

पूर्व पश्चिम चिकित्सा--इस पुस्तक में एलोपेथिक की पेटेन्ट और सस्ती दवाओं तथा आयुर्वेद की दवाओं को मिलाकर मनुष्य रोगों के हजारों रोगियों पर आजमाये कई सौ ऐसे योग लिख दिये गये हैं जिनकी पहली मात्रा खिलाते ही रोग दूर हो जाते हैं। २ रुपया।

माडर्न थर्मामीटर गाईड--थर्मामीटर लगाकर ज्वरों का टेम्परेचर देखने का वृतान्त। ८० पैसा।

प्रसिद्ध वैद्यों, डाक्टरों हकीमों के गुप्त योग—योरुप, अमेरिका के डाक्टरों और भारत के प्रसिद्ध वैद्यों, हकीमों के गुप्त योग, माडर्न पेटेन्ट दवाओं से चिकित्सा, एलोपेथिक, वैद्यक के मिले जुले योग, दवा सुंघाते ही हाई ब्लड प्रेशर दूर, दिल फेल होने को मिनटों में आराम, पहली मात्रा से टाईफायड दूर, एक ही मात्रा से मलेरिया दूर, कारबंकल बिना आपरेशन ठीक, बीस २ रोग दूर करने वाली दवायें, बच्चों को मोटा ताजा बनाने वाली दवायें, एक ही मात्रा से न्यूमोनिया दूर, सन्यासियों की अनुभूत दवायें, पुत्र होने की शर्तिया दवा, सर विलियम मूर सिविल सर्जन के योग, सर-कारी अस्पतालों के योग, यूनानी, एलोपेथिक, होमियोपेथिक के ५०० सफल अनुभूत योग। ४ रुपया।

एक हजार यादगारी दवायें—लाखों रोगियों पर आजमाई, बड़े बड़े डाक्टरों, वैद्यों, हकीमों की दवायें, माडर्न पेटेन्ट दवायें, मेडिकल कालेजों के प्रोफेसरों की दवायें, रूसी डाक्टरों की दवायें, साधुओं सन्यासियों की दवायें, फलों और सब्जियों के रसों से असाध्य रोगों की चिकित्सा, बवासीर, कार-बंकल बिना आपरेशन ठीक, शर्तिया लड़का पैदा करने की दवायें, शीघ्रपतन, मर्दाना कमजोरी की दवायें, २०-२० रोग दूर करने वाली दवायें, मोतिया बिना आपरेशन दूर व दृष्टि तेज करने वाली दवायें, भयानक रोग दूर करने वाली दवायें, पत्थरी का बिना आपरेशन इलाज, प्राकृतिक चिकित्सा के चमत्कार, तिब्बिया कालेजों के प्रिंसिपलों की दवायें, १२ मीठी दवाओं से

तमाम मनुष्य रोगों की चिकित्सा, एपेन्डीसाईटिस बिना आपरेशन दूर, आयु बढ़ाने और ताकतवर बनाने वाली दवायें, पाकिस्तान के प्रसिद्ध हकीमों की दवायें, गर्भाशय की सफाई, क्षय के शर्तिया योग, एक हजार देसी व अंग्रेजी दवायें जो इससे पहले किसी पुस्तक में प्रकाशित नहीं हुईं। ८ रुपया।

रत्न सागर व रत्न चिकित्सा—रत्न विशेषज्ञ बनकर हजारों रुपया मासिक कमायें। इस पुस्तक में हीरा, मोती, पन्ना, नीलम, मूंगा, पुखराज व संसार भर के रत्नों, उपरत्नों और ८० के लगभग कीमती पत्थरों का वृतान्त, पहचान, गुण, उनका ग्रहों से सम्बन्ध, उनसे कंगाली, गरीबी और भयानक रोग दूर करने, धनवान बनने पर भारत, यूरोप, अमेरिका के बड़े बड़े रत्न विशेषज्ञों के अनुभव, रत्नों, उपरत्नों से मनुष्यों के रोगों की चिकित्सा, मनुष्यों को उनका भाग्यशाली जन्म पत्थर (बर्थ स्टोन) बताकर उनकी किस्मत बदलना, भूत, भविष्य के वृतान्त बताने वाला क्रिस्टल बनाना, ग्रहों और रत्नों पर रोमांचकारी लेख जिनसे आप अपने रोगियों और मनुष्यों की किस्मत (भाग्य) बदल सकते हैं। १५ दिन तक पढ़ें पसन्द न आने पर मूल्य वापिस। १५ रुपया।

आध्यात्मिक और गुप्त विद्याओं के चमत्कार

इस पुस्तक में संसार के बड़े बड़े साधुओं, योगियों, महान व्यक्तियों के रोमांचकारी वृतान्त लिखे हैं। जिन्होंने कैन्सर और दूसरे असाध्य रोगों में ग्रस्त मनुष्य जिनको बड़े बड़े सरकारी अस्पतालों तक ने जवाब दे दिया था को बिना दवा दिये स्वस्थ बना लिया। द्विव्य दृष्टि से हजारों मील दूर होने वाली सच्ची घटनायें बताने, भूत, भविष्य की चमत्कारी भविष्यवाणियां, स्वप्नों से होने वाली घटनायें बताने, दबे खजानों का पता निकालने, मृत आत्माओं से बातचीत करने, बर्फीले पहाड़ों में रहने वाले, हवा में उड़ने वाले साधुओं, योगियों के वृतान्त, गुप्त विद्यायें सीखने की विधियां व संकेत, अमेरिका और योरुप में टेलीपैथी पर अनुसन्धान, मिस्र, योरुप, अमेरिका, चीन, तिब्बत और भारत के योगियों की गुप्त विद्याओं पर जानकारी। मिस्मेरेज्म, हिप्नाटिज्म से मानसिक रोगों की चिकित्सा, दूसरों के दिल की बातें बतलाना, गुप्त विद्याओं को सीखना, विदेश में गुप्त विद्यायें सिखाने

वाली संस्थाओं और महान व्यक्तियों की ऐसी २ सच्ची घटनायें और वृतान्त प्रकाशित किये गये हैं जो आज तक किसी हिन्दी पुस्तक में प्रकाशित नहीं हुये । १६२ पृष्ठ सजिल्द ८ रुपया ।

होमियोपैथिक पुस्तकें

होमियोपैथिक मिक्सचर्ज—डा० कैलाश चन्द्र गुप्ता । तमाम रोगों के ५०० अनुभूत होमियोपैथिक मिक्सचर्ज और विभिन्न होमियोपैथिक दवाओं के मिले जुले योग जिनसे पुराने रोग तक दूर किये जा सकते हैं । २ रुपया ५० पैसा ।

दो हजार आश्चर्यजनक होमियोपैथिक दवायें—डा० कैलाश चन्द्र गुप्ता । इस पुस्तक को पढ़कर आप सफल होमियोपैथिक डाक्टर बन सकते हैं ।

कुछ अनुभूत योग—मोतियाबिन्द, रसूलियां, हर्निया बिना आपरेशन ठीक, पेट में पानी पड़ जाने व फुलबहरी की शर्तिया दवा, खाने की दवा से कील, फुन्सियां ठीक, हिस्टेरिया की बेहोशी तुरन्त दूर, स्त्री रोगों की राम बाण दवायें, दवा खाते ही दिल फेल होने को आराम, मिर्गी का दौरा तुरन्त दूर, बन्द रजोधर्म तुरन्त जारी, दमा का दौरा मिनटों में दूर, गर्भपात की शर्तिया दवा, एपेन्डीसाईटिस बिना आपरेशन ठीक, गर्भाशय में उल्टा बच्चा सीधा करने, मरा हुआ बच्चा व रुकी आंवल निकालने की दवायें, बन्द मूत्र जारी, नासूर, भगन्दर बिना आपरशन ठीक, पागलपन की संसार प्रसिद्ध दवा, गर्दन तोड़ ज्वर की चिकित्सा, पत्थरी बिना आपरेशन ठीक, २०० से अधिक रोगों की चोटी की दो हजार सफल दवायें । दूसरा संस्करण ४ रुपया ।

नई पुरानी रामबाण दवायें—नई चिकित्सा पद्धति जिससे आप भारत और विदेशों की जड़ी बूटियों और दवाओं के टिंक्चरों की कुछ ही बूंदें पिलाकर पहली ही मात्रा में नये पुराने और असाध्य रोग दूर कर सकते, जिनसे आपकी प्रैक्टिस चमक सकती है । १४४ पृष्ठ, ३.५० रुपया ।

चमत्कारी होमियोपैथिक दवायें—होमियोपैथिक मदर टिंक्चरों के चमत्कार, उनसे पुराने रोगों की चिकित्सा, १०० के लगभग चोटी के अनुभूत योग । १.७५ रुपया ।

जेबी दवाखाना (घर का डाक्टर) तमाक रोगों की केवल १२ हानि-रहित अल्पमूल्य औषधियां जिनसे आप तमाम रोगों की चिकित्सा कर सकते हैं। १.५० रुपया।

जर्मन डाक्टर (बायोकैमिस्ट्री)—डा० राम लाल बेरी, प्रिंसीपल रायल होमियोपैथिक कालेज देहली। केवल १२ मीठी सस्ती, हानिरहित दवाओं से तमाम रोगों की चिकित्सा। २.५० रुपया।

स्त्री रोगों की होमियोपैथिक औषधियां—स्त्रियों और गर्भवती के तमाम रोगों की प्रसिद्ध होमियोपैथिक औषधियां। दूसरा संस्करण १ रुपया

बायोकैमिक योग—जर्मन के प्रसिद्ध डाक्टर शुस्लर की १२ मीठी सस्ती दवाओं के विभिन्न मनुष्य रोगों के योग जिनसे आप बड़े बड़े भयानक रोग केवल इन १२ दवाओं से ही दूर कर सकते हैं। १ रुपया।

बेलाडोना से एक सौ रोगों की चिकित्सा—बेलाडोना की एक ही शीशी से एक सौ नये और पुराने रोग दूर करने का वृतान्त। १ रुपया।

लाख २ रुपया की होमियोपथिक दवायें—रोगी के कष्टों के मुख्य लक्षणों से उनकी सफल दवा का चुनाव हजारों कष्टों की चोटी की दवायें। १.७५ रुपया।

बच्चों के रोगों की होमियोपैथिक चिकित्सा—छोटे व बड़े बच्चों के रोग, लक्षण और उनकी सफल होमियोपैथिक दवायें। १.७५ रुपया।

होमियोपैथिक इन्जेक्शन गाईड—विभिन्न रोगों की होमियोपैथिक दवाओं के इन्जेक्शन लगाकर रोग दूर करना। १.५० रुपया।

होमियोपैथिक पाकेट गाईड—डाक्टर राम लाल बेरी। हर रोग की चुनी हुई दवायें संसार के प्रसिद्ध होमियोपैथिक डाक्टरों के योग जिनसे बड़े बड़े रोग दूर हो जाते हैं। पृष्ठ १४६, १.५० रुपया।

डा० वत्सराज की लिखी होमियोपैथिक पुस्तकें

बाल रोग चिकित्सा—बच्चों के रोगों की हानिरहित अनुभूत दवायें, १ रु०

१०१ महत्वपूर्ण होमियोपैथिक दवायें—जिनसे आप मनुष्यों के तमाम रोग दूर कर सकते हैं। ५० पैसा।

प्रसिद्ध होमियोपैथिक नुस्खे—तमाम रोगों की अनुभूत, कम खर्च, हानि-रहित कई सौ सरल दवायें जिनसे बड़े २ रोग दूर हो जाते हैं। ३ रुपया।

होमियोपैथिक प्राथमिक चिकित्सा—फर्स्ट ऐड, दुर्घटनाओं, बच्चा जनवाने और प्रसूता की होमियोपैथिक दवाओं से चिकित्सा पर वृतान्त। ३ रुपया।

संसार प्रसिद्ध होमियोपैथिक औषधियाँ

आप इन अल्पमूल्य औषधियों से अपने रोगियों को तुरन्त स्वस्थ बना सकते हैं। दवा की पहली ही मात्रा से रोग कम होने लग जाता है। हर दवा को एक दो तोला ताजा पानी में मिलाकर प्रतिदिन दो तीन बार पिलाते रहें।

(१) एब्रोटेनम-बच्चों का क्षय, बच्चों का सूखा, दुबलापन, शरीर पर झुरियां, पतले दस्त आयें, बच्चा बहुत खाये परन्तु सूखता जाये, इस दवा से बच्चा मोटा ताजा हो जाता है। मात्रा १ से ३ बूंद और यही दवा ६ गुणा मूंगफली के तेल में मिलाकर बच्चे के शरीर पर मालिश भी करते रहें। मूल्य १ औंस ५ रुपया।

(२) ब्लाट्टा ओरियन्ट-दवा पिलाते ही दमा (श्वास रोग) का दौरा दूर हो जाता है। दो शक्ति की दो दवायें ९ रुपया।

(३) बरबेरियस एकीफोलियम-जवान लड़के लड़कियों के चेहरे पर जवानी के कील, फुन्सियां, मुहासे यह दवा पिलाते रहने से दूर हो जाते और मुख सुन्दर निकल आता है। मात्रा-५ से १० बूंद। एक औंस ५ रुपया।

(४) साईजीजियम जम्बोलिनम-मूत्र में शक्कर (शूगर) अधिक आने को कम कर देती है। इस रोग से कारबंकल और फोड़े निकलना, अधिक प्यास और कमजोरी, पेशाब बहुत आना आदि रोग भी दूर हो जाते हैं। मात्रा पांच से दस बूंद दिन में २-३ बार, एक औंस ५ रुपया।

(५) क्रैटीगस ओक्स-हृदय शूल, हृदय की कमजोरी, हृदय अधिक धड़कना और हृदय फेल होते समय देने से तुरन्त आराम आ जाता और रोगी मरने से बच जाता है। मात्रा-५ से १० बूंद। एक औंस ५ रुपया।

(६) जेब्रांडी-छोटी आयु में बाल सफेद हो जाना, गंज और बाल झड़ने पर इस दवा को दो तीन मास तक पिलाते रहने से बाल जड़ों से काले हो जाते और बाल झड़ने रुक जाते हैं और यही दवा ५ गुणा तेल में मिलाकर सिर पर मालिश भी करते रहें। मात्रा-१० से २० बूंद, एक औंस दवा ५ रुपया।

विज्ञान, सरल रोग विज्ञान, आधुनिक निदान, एलोपैथिक निदान नवनीत आदि डा० "कोकचा" की लगभग दो दर्जन छोटी-मोटी पुस्तकें भी मिला दी हैं। कई सौ रोगों का चार्टों-चित्रों में निदान देकर उनकी 'एलोपैथिक सरल अनुभूत चिकित्सा' भी दी है। इसमें निदान की एलोपैथिक की कई हजार रुपये मूल्य की पुस्तकों का निचोड़ दे दिया है। कई सौ चित्रों, चार्टों और कोषों से सजे हिन्दी के इस 'विशाल निदान विश्वकोष' का मूल्य केवल १७-७५ हैं।

(४) अपटूडेट एलोपैथिक पेटेन्ट टेब्लेट्स गाईड—इस पुस्तक में सब प्रकार के रोगों का परिचय, कारण और लक्षण आदि देकर, उनकी केवल एलोपैथिक पेटेन्ट गोलियां, कैचेटों, कैपसूलों और बूंदियों आदि द्वारा सफल इलाज करना चार्टों के रूप में विस्तारपूर्वक लिखा गया है। इस पुस्तक में नये-पुराने सब प्रकार के कई सौ रोगों की लक्षणों के अनुसार, अनुभूत और सफल पेटेन्ट चिकित्सा का वर्णन चार्टों में है। ढाई हजार के लगभग चार्टों-चित्रों से सजी इस पुस्तक का मूल्य केवल १७-७५।

(५) काम विज्ञान विश्वकोष—इस विशाल अनमोल पुस्तक-रत्न में काम विज्ञान की एशिया, अफ्रीका और यूरोप में हुई हजारों नई-नई खोजों का पूरा हाल दिया है। इसके अलावा 'पुरुषों' तथा 'स्त्रियों' के समस्त गुप्त रोगों की एलोपैथिक, यूनानी, आयुर्वेदिक तथा प्राकृतिक चिकित्सा आदि का नये ढंग से वर्णन है। ८-७५

(६) सरल चिकित्सा नवनीत चार्टस—इस अमूल्य पुस्तक में रोजाना सताने वाले नये-पुराने सब प्रकार के सैकड़ों रोगों की पथ्य चिकित्सा, सहायक चिकित्सा, आनुषंगिक चिकित्सा, लक्षण चिकित्सा, बिजली चिकित्सा, विटामिन चिकित्सा, जलवायु चिकित्सा तथा सरल अपटूडेट एलोपैथिक पेटेन्ट चिकित्सा का वैज्ञानिक वर्णन बिलकुल सरल हिन्दी में दिया गया है। मूल्य १०.७५।

मेडिकल हाउस २६५६ कुतब रोड, देहली-६

जर्मन डाक्टर बनें

डा० शुस्लर की इन १२ मीठी औषधियों से आप तमाम मनुष्य रोगों की सफलता से चिकित्सा करके और जर्मन डाक्टर बनकर ऐसे ऐसे रोग को दूर कर सकते हैं जो बड़े-२ डाक्टरों और अस्पतालों में भी ठीक नहीं हो सके। यह औषधियां अल्प मूल्य और हानिरहित हैं। आप इन्हें एक दिन के बच्चे को भी दे सकते हैं। रोगी की एक दिन की चिकित्सा करने पर कुछ पैसे ही व्यय होते हैं। इस चिकित्सा पद्धति में सरकारी मंजूरी की आवश्यकता [illegible] है। इन १२ बायोकैमिक औषधियों से भरी १-१ औंस [illegible] शीशियां तथा सा[illegible] की इस विधि से चिकित्सा करने की पुस्तक [illegible] मूल्य १२.५०। [illegible] और सैल्स टैक्स ८ रुपया अलग।

भाषा भवन मथुरा की पुस्तकें

[illegible] (विभिन्न पद्धतियों में) डेढ़ रुपया। एपेण्डीसाईटिस [illegible] चिकित्सा डेढ़ रुपया। नेत्र रोग चिकित्सा डेढ़ रुपया। [illegible] स्वास्थ्य तीन रुपया। कम्पाउन्डर्स गाईड चार रुपया। [illegible] रुपया। होमियो० चर्म रोग चिकित्सा साढ़े तीन रुपया। होमियो० ज्वर रोग चिकित्सा तीन रुपया। फेफड़ों तथा हृदय रोगों की होमियो० चिकित्सा तीन रुपया। मुंह, जीभ तथा गले के रोग (होमियो०) दो रुपया। होमियो० वात रोग चिकित्सा दो रुपया। डायग्नोसिस गाईड तीन रुपया। होमियो० ज्वर चिकित्सा ३)। होमियो० ट्रीटमैंट (अंग्रेजी) ढाई रुपया। बायोकेमिक ट्रीटमेंट (अंग्रेजी) ढाई रुपया। गुप्त रोग चिकित्सा (होमियो०) चार रुपया। होमियो० के सिद्धान्त पांच रुपया। यकृत रोग और उनकी होमियो० चिकित्सा दो रुपया। स्नायु मण्डल के रोगों की होमियो० चिकित्सा साढ़े तीन रुपया। कष्टसाध्य रोगों की होमियो० चिकित्सा साढ़े तीन रुपया। स्त्रियों के रोग और उनकी होमियो० चिकित्सा चार रुपया।

मेडिकल हाउस १६५६ कुतब रोड देहली-६